www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 96 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
27 जून 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:14
सूर्यास्त: 07:04
अधिकतम: 41°00
न्यूनतम: 31°00

पेज 07 »

विशेष समाचार | भरोसे के रिश्तों के कत्ल... »पेज 04 | एलपीजी टैंकर टोल से... »पेज 06 | 'मॉम, क्या लगती हैं आप?'...

'एसआईटी रिपोर्ट आते ही एक्शन, दूध का दूध पानी का पानी होगा', चंदा चोरी पर सीएम योगी का ऐलान

'रामभक्तों की आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं'

ट्रस्टी अनिल मिश्रा की छुट्टी चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत 8 गिरफ्तार

'बड़ी-बड़ी चट्टानों को पलटने की ताकत

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे पास सब कुछ मौजूद है, दुनिया के अंदर सबसे युवा ताकत किसी के पास है, तो उत्तर प्रदेश के पास है. हमारी युवा शक्ति प्रतिभावान और ऊर्जावान है. हम बड़ी-बड़ी चट्टानों को पलटने की ताकत रखते हैं और यूपी के विकास के लिए कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का काम करते हैं.

उन्होंने आगे कहा कि हम युवाओं को रोजगार देने का काम कर रहे हैं, हमने 9 लाख नौजवानों को नौकरी दी है. सुरक्षा का बेहतरीन माहौल पैदा करते हुए, जीरो टॉलरेंस नीति लागू की गई है.

दो टूक

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया, अयोध्या। सीएम योगी ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले मेंरामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 लोगों की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने शुक्रवार को देवरिया में कहा- SIT की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई शुरू हो गई है। दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेंगे। जनआस्था के साथ खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं है। किसी को छूट नहीं देंगे। सीएम ने कहा- अयोध्या पर आरोप मत लगाओ। अगर प्रमाण हैं तो SIT को दो, नहीं तो ये सब बंद कर दो। राम भक्तों की अग्निपरीक्षा मत लो। राम भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे।

» (शेष पेज 06 पर)

आरोपियों को मेडिकल कराने के बाद कोर्ट में पेश किया

गुरुवार देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

आज शुक्रवार को सभी 8 आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सीजेएम कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है।

अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। सोमवार को उन्हें दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा। सभी आरोपियों से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपए बरामद किए गए हैं।

सवाल उठाने वालों ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं

योगी ने कहा- जो लोग राम के बारे में सवाल उठा रहे हैं, ये वही लोग हैं, जिन्होंने राम को नकारा था। एक पक्ष था, जो कहता था कि राम हैं ही नहीं। वे लगातार विरोध करते रहे। वकीलों की फौज लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ते रहे। एक पक्ष वह है, जो राम भक्तों पर गोलियां चलवाता था। अब वही कह रहे हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

चाचा-भतीजे नौकरियां नीलाम करते थे

योगी ने कहा- सपा सरकार को कौन नहीं जानता? सपा सरकार में पूरा खानदान नौकरियों में वसूली करने निकल पड़ता था। आज देवरिया के लोगों को पुलिस भर्ती में नौकरी मिल रही है। डबल इंजन की सरकार न होती, तो ये नौजवान नौकरी से वंचित रह जाते। चाचा-भतीजे की जोड़ी होती, तो नौकरियों को नीलाम कर दिया जाता।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- ट्रस्ट महासचिव चंपत राय का इस्तीफा

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है।

चंपत के पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बड़ी भूमिका थी। एक हफ्ते पहले सीएम योगी अयोध्या दौरे पर गए थे। उस वक्त चंपत को उनके दौरे से दूर रखा गया था, तभी से यह सुगबुगाहट थी कि उन्हें हटाया जा सकता है।

» (शेष पेज 06 पर)

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय की विदाई

योगी ने कहा- "याद करिए, मैंने जीरो टॉलरेंस के साथ सरकार चलाने की बात कही थी। इस प्रदेश को कांग्रेस और सपा ने माफिया-त्रस्त बना दिया था। यहीं थाने लूट लिए जाते थे। आज मोहर्रम है, लेकिन किसी गुंडे का पता नहीं है। कोई उपद्रव नहीं कर सकता। अगर कोई करेगा, तो सात पीढ़ियों तक भुगतेगा।"

राम मंदिर चंदा चोरी मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सबूत हों तो एसआईटी को दें. अयोध्या आस्था का प्रतीक है. आरोप लगाने वालों की मंशा ठीक नहीं है.

'सुरक्षा और विश्वास का वातावरण'

योगी आदित्यनाथ ने कहा, प्रदेश को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने माफियाग्रस्त बना दिया था. मुझे याद है 2016 में यहीं मदनपुर थाने में कैसे असलहे लूट ले गए थे और एक थाने को आग लगा दी गई थी. आज मुहर्रम है, कहीं किसी का पता नहीं है. कोई अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं कर सकता है. कोई सड़कों पर गुंडागर्दी नहीं कर सकता है. उत्सवपूर्ण माहौल में कोई उपद्रव नहीं कर सकता है, और अगर करेगा तो सात पीढ़ियों तक भुगतेगा. यह सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बनाया है.

» (शेष पेज 06 पर)

मोहर्रम पर पूरे देश में रहा 'सिक्योरिटी मोड ऑन'

कहीं 12 फीट का ताजिया, कहीं ड्रोन की नजर

तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मोहर्रम से पहले देश के अलग-अलग राज्यों में प्रशासन अलर्ट मोड में दिखा. उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान से आई तस्वीरें बताती हैं कि इस बार सरकार और प्रशासन का फोकस साफ है- शांतिपूर्ण जुलूस, तय मानकों का पालन और किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकना. कई जगह ताजियों की ऊंचाई तय की गई है, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है. फ्लैग मार्च निकाले जा रहे हैं और

- **40 फीट से 12 फीट तकबदली पुरानी परंपरा**
- **मुस्लिम समाज ने कहा- ब्लड डोनेट करेंगे**

हथियारों के प्रदर्शन पर रोक के निर्देश हैं. वहीं भोपाल में एक कथित ब्लास्ट प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है.

(विस्तृत समाचार 05 पर)

हकलाने हेयरविग की वजह से सिया को केतन नहीं था पसंद

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सिया शादी से खुश नहीं थी

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे। पुणे में केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि केतन अग्रवाल हेयर विग लगाता था। सिया गोयल को यह पसंद नहीं था। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने कहा, 'सिया और उसके परिवार को पता था कि केतन विग का एक पैच लगाता था। उसे पसंद नहीं था तो वह मना कर सकती थी, क्या यह किसी को मारने की वजह हो सकती है।' पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 'सिया इस शादी से खुश नहीं थी। केतन के विग लगाने और हकलाने की वजह से सिया के मन में उसके प्रति नफरत बैठ चुकी थी।' सिया ने बताया कि उसने केतन से कहा था कि वह उससे शादी

- **पुणे पुलिस को बताया- शादी के लिए मना किया, लेकिन केतन माना नहीं**

करना नहीं चाहती, लेकिन वह सगाई तोड़ने को तैयार नहीं था। केतन का कहना था कि अब बहुत देर हो चुकी है। सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। सिया पर अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी के साथ मिलकर मंगेतर की हत्या करने का आरोप है।

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

ईशा फाउंडेशन को 90 करोड़ का श्मशान घाट मुफ्त दिया

पटना। पटना में अब अंतिम संस्कार के लिए बांस घाट श्मशान को अत्याधुनिक बना दिया गया है। यहां एक साथ 18 शवों को जलाने की व्यवस्था है। अंतिम यात्रा में आए लोगों के बैठने के लिए 2 AC वेटिंग हॉल हैं।

फरमान | रोक

मृत्युभोज में घी के मालपुए नहीं बनवाने पर हुक्का-पानी बंद

सिरोही । आर्थिक तंगी की मार झेल रहे परिवार ने मृत्युभोज में 'घी के मालपुए' नहीं बनवाए। सादा खाना खिलाया। इससे समाज के लोग इतने नाराज हुए कि इनका हुक्का-पानी बंद करने का फरमान सुना दिया। इस गरीब परिवार का समर्थन करने वाले 42 अन्य परिवारों पर भी यही तुगलकी फरमान लागू किया गया। अब परिवारों को न दुकानदार राशन दे रहा है, न ही कुएं से पानी नहीं भरने दिया जा रहा है। पंचों की बंदिशें यहीं नहीं रुकीं। पीड़ित परिवारों के घरों में मेहमानों के आने और उनके किसी रिश्तेदारी में जाने पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

शिमला में भारी बारिश, दिन में अंधेरा छाया

शिमला । हिमाचल प्रदेश की राजधानी में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और भारी बारिश हुई। तेज बारिश के बाद शहर की सड़कें और रास्ते पानी से भर गए। इस दौरान स्कूली बच्चों और नौकरीपेशा लोगों को घर लौटते वक्त परेशानी झेलनी पड़ी। शिमला में शाम 4 बजे ही अंधेरा सा छा गया।

9वीं की सोशल साइंस से संविधान प्रस्तावना हटाई

एसआईआर और इमरजेंसी पर चैप्टर जोड़ा

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । NCERT ने क्लास 9वीं की सोशल साइंस की किताब में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) और इमरजेंसी पर एक नया चैप्टर जोड़ा गया है। किताब में बताया गया है कि SIR का मुख्य कार्य मतदाता सूची को अपडेट करना, मतदाताओं का सत्यापन करना और मतदाताओं की सूची में त्रुटियां दूर करना है।

चैप्टर की मदद से छात्रों को यह भी समझाया जाएगा कि मतदाता सूची का निरीक्षण करने से चुनावी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

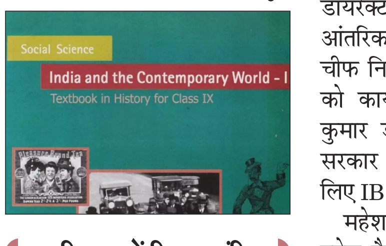

- **किताब में लिखा- इंदिरा सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ी**

वहीं, किताब से संविधान की प्रस्तावना हटा दी गई है। इसके अलावा सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्दों का भी जिक्र नहीं है। किताब में अलग सेक्शन जोड़ा गया है। यह जानकारी गुरुवार को सामने आई।

» (शेष पेज 06 पर)

महेश दीक्षित नए आईबी चीफ, तपन डेका की जगह लेंगे

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) के स्पेशल डायरेक्टर महेश दीक्षित को देश की आंतरिक खुफिया एजेंसी का नया चीफ नियुक्त किया है। वे 30 जून को कार्यकाल पूरा कर रहे तपन कुमार डेका की जगह लेंगे। केंद्र सरकार ने महेश को दो साल के लिए IB डायरेक्टर नियुक्त किया है।

महेश दीक्षित 1993 बैच के आंध्र प्रदेश कैडर के IPS अधिकारी हैं। फिलहाल IB में स्पेशल डायरेक्टर और एजेंसी के दूसरे सबसे वरिष्ठ अधिकारी थे।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर में सब्सिडियरी इंटेलिजेंस ब्यूरो (SIB) के प्रमुख रह चुके हैं। एंटी टेररिज्म और खुफिया ऑपरेशन का लंबा अनुभव है।

मौजूदा आईबी डायरेक्टर तपन कुमार डेका का कार्यकाल 30 जून 2026 को समाप्त हो रहा है।

इनमें 5 सेना, 1 एयरफोर्स का जवान, पहलगाम अटैक के बाद पीओके में हमला किया था

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिक

सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के 'रोल ऑफ ऑनर' में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3D वॉल पर साल 2025 के खंड में भी उनके नाम अंकित किए गए हैं। नेशनल वॉर मेमोरियल के त्याग चक्र में 16 गोल ग्रेनाइट की दीवारें हैं, जिन पर आजादी के बाद से देश के लिए अपनी जान देने वाले हर सैनिक का नाम, रैंक और यूनिट लिखी हैं। दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। 26 टूरिस्ट की हत्या की गई थी।

» (शेष पेज 06 पर)

"छह शहीदों में से दो को वीरता सम्मान मिल चुका है। राइफलमैन सुनील कुमार को मरणोपरांत वीर चक्र दिया गया, जबकि सार्जेंट सुरेंद्र कुमार को उनकी बहादुरी के लिए मरणोपरांत वायु सेना मेडल मिला था।"

2019 में हुआ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन 2019 में इंडिया गेट के पास हुआ था। यहां स्वतंत्रता के बाद देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए सैनिकों के नाम दर्ज किए जाते हैं। इन छह नामों के जुड़ने के साथ ही ऑपरेशन सिंदूर भी उन सैन्य अभियानों में शामिल हो गया है, जिन्हें राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर आधिकारिक रूप से सम्मान दिया गया है।

- **भारतीय सेना ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। 100 आतंकी मार गिराए थे।**

मांग : ट्रस्ट, ट्रस्ट के लोग और राम के घर डकैती करने वाले सब चंदा चोर पार्टी के हैं- केजरीवाल

'जो 'राम' के ना हुए, वो 'राष्ट्र' के क्या होंगे'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/अयोध्या । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भगवान श्रीराम के घर में अरबों रुपए की चोरी करने वाले सभी राक्षसों को सरेआम फांसी पर लटकाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जो 'राम' के ना हुए, वो 'राष्ट्र' के क्या होंगे। पूरे देश में चंदा चोर पार्टी का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए। क्योंकि ट्रस्ट, ट्रस्ट के लोग और राम के घर डकैती करने वाले सब चंदा चोर पार्टी के हैं। चंदा चोर पार्टी छोटे प्यादों को फंसाकर राम के घर बड़ी डकैती करने वालों को बचा रही है। ऐसे में करोड़ों हिन्दुओं की आत्मा को तभी शांति

मिलेगी, जब बड़े डकैतों को फांसी की सजा होगी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन्होंने चोरी की, उन्हीं पर कार्रवाई की जिम्मेदारी है। फर्जी एसआईटी, फर्जी एफआईआर और फर्जी गिरफ्तारी, छोटे प्यादों को फंसाकर बड़े अपराधियों को बचाया गया। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि जिन लोगों ने चोरी की है और जो इस महा डकैती में शामिल हैं, बदकिस्मती से उन्हीं को कार्रवाई भी करनी है।

» (शेष पेज 06 पर)

जब प्रधानमंत्री चंपत राय के सामने बेबस हैं तो साफ है सब मिले हैं, कुछ नहीं होने वाला- केजरीवाल

राम के घर में महा डकैती

अयोध्या में प्रेसवार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम के घर में महा डकैती हो गई है। भगवान राम के आभूषण, उनका हार, उनकी पादुका, उन पर चढ़ाए गए चांदी, सोना, हीरे-जवाहरात, करोड़ों-अरबों रुपए का कैश और ना जाने क्या-क्या चोरी हो गया है। इस चोरी में बहुत बड़े-बड़े राक्षस शामिल हैं। भगवान राम पर करोड़ों-करोड़ों लोगों की आस्था है और उन करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। लोग आहत हुए हैं। मैं स्वयं बहुत आहत हुआ और इसीलिए आज मैं भगवान राम के दर्शन करने के लिए राम मंदिर गया।

- **करोड़ों हिन्दुओं की आत्मा को तभी शांति मिलेगी, जब बड़े डकैतों को फांसी की सजा होगी- केजरीवाल**
- **जिन्होंने चोरी की, उन्हीं पर कार्रवाई की जिम्मेदारी- केजरीवाल**
- **फर्जी एसआईटी, फर्जी एफआईआर और फर्जी गिरफ्तारी, छोटे प्यादों को फंसाकर बड़े अपराधियों को बचाया गया- केजरीवाल**

रामगढ़ में ट्रक-पिकअप में टक्कर, आठ लोगों की मौत

गाड़ी में फंसी लाश, सड़क पर बिखरे बैंड-बाजे

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

रामगढ़ (झारखंड)। झारखंड के रामगढ़ जिले में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ। कोयला लदे एक ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े थे, उनके सामान बैंड-बाजे सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि ट्रक को मौके पर छोड़ ड्राइवर भाग निकला।

- **लोग एक-दूसरे पर चढ़ गए थे: चश्मदीद**
- **सात की मौके पर मौत**

घटनास्थल पर सात लोगों की मौत हुई। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को रांची रेफर किया गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े हैं। जानकारी के अनुसार, पिकअप में 8 लोग सवार थे, जो रामगढ़ से मारगामरचा आए थे।

» (शेष पेज 06 पर)

32 शहरों में बरसात का अलर्ट ■ 48 घंटे में दस्तक दे सकता है मानसून

गोरखपुर-कानपुर देहात में बारिश, सड़कों पर भरा पानी

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में मानसून अगले 24 से 48 घंटों के अंदर एंट्री कर सकता है। मौसम विभाग (IMD) का कहना है कि प्रदेश में मानसून के लिए अनुकूल मौसमी सिस्टम तैयार हो गया है। मानसून 1-2 दिनों में यानी 28 जून तक बिहार बॉर्डर से गोरखपुर-महराजगंज के रास्ते प्रदेश में एंट्री कर सकता है।

29 जून तक लखनऊ पहुंच सकता है। 1-2 जुलाई तक पूरे यूपी में छा सकता है। आमतौर पर

मानसून 20 जून तक आ जाता है। यानी इस बार 8 दिन लेट है। मानसून 15-16 दिनों से महराजगंज के पास अटका हुआ है। शुक्रवार को कानपुर देहात में तेज बारिश हुई। इससे पहले देर रात गोरखपुर में करीब एक घंटे तक झमाझम बरसात हुई। सड़कों पर पानी भर गया। इसके अलावा, पूरे प्रदेश में तेज धूप है। उमस से लोगों का हाल बेहाल है। बादलों की आवाजाही जारी है, लेकिन उससे गर्मी पर कुछ खास असर नहीं पड़ रहा। पारा 44°C के पार पहुंच गया है।

कानपुर देहात में बदला मौसम, दोपहर बाद बूंदाबांदी

कानपुर देहात में शुक्रवार को भीषण उमस के बाद दोपहर में मौसम ने अचानक करवट ले ली। हल्की बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं से लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली।

दोपहर में अधिकतम तापमान करीब 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार 5 किलोमीटर प्रति घंटा, आर्द्रता 32 प्रतिशत और वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 158 रहा।

लखनऊ में 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा पारा, हीटवेव का अलर्ट

लखनऊ में भीषण गर्मी का दौर जारी है। मानसून पहुंचने में देरी होने के चलते तपन और उमस लोगों को झेलनी पड़ रही है। 22 जून तक लखनऊ में मानसून पहुंचने की सामान्य तिथि है। आज दिन में हीट वेव का दौर बना रहेगा। शुक्रवार सुबह से ही आसमान साफ रहा और तेज धूप निकलने से उमस भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। मौसम विभाग ने दिन में हीटवेव जैसी स्थिति बने रहने की संभावना जताई है। विभाग के मुताबिक, आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 30 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक रहा।

लखनऊ मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-मानसून 15 दिनों से महराजगंज के पास रुका है। अब अगले दो दिन के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के यूपी में प्रवेश के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। आज और कल तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में तपिश और लू का असर रहेगा। इस दौरान प्रदेश के पूर्वी, तराई और कुछ अन्य इलाकों में तेज हवाएं चलने और मामूली बारिश होने की भी संभावना है।

■ गोरखपुर में एक घंटे हुई बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर गया।

गोरखपुर में देर रात बारिश, सड़कें डूबीं

गोरखपुर में गुरुवार देर रात हुई तेज बारिश के बाद मियां बाजार पूरी तरह जलमग्न हो गया। इलाके की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर जाने से मुहर्रम का जुलूस समाप्त होने के बाद घर लौट रहे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित कई लोगों को पानी के बीच पैदल चलकर अपने घर पहुंचना पड़ा।

गोरखपुर रामगढ़ताल में हुड़दंग मचाते 8 गिरफ्तार

लक्जरी गाड़ियों से आधी रात किया हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर रामगढ़ताल की नौकायन चौकी के पास हुड़दंग करते हुए 8 मनबढ़ों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमे एक आरोपी सुल्तान पुलिस की हिरासत में भी हंसता रहा।

गोरखपुर रामगढ़ताल की नौकायन पुलिस चौकी के पास बुधवार देर रात फार्च्यूनर समेत तीन वाहनों से पहुंचे युवकों ने हंगामा शुरू कर दिया। बीच सड़क वाहन खड़ा कर शोर-शराबा करने और राहगीरों से विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया।

तब मनबढ़ पुलिस से ही उलझ गए। इसके बाद रामगढ़ताल थाना की पुलिस ने 08 युवकों को हिरासत में ले लिया और कई मनबढ़ मौके का फायदा उठाकर भाग गए।

पकड़े गए मनबढ़ों की पहचान

बांसगांव के बैदौली बाबू निवासी विपिन कन्नौजिया उर्फ सुल्तान,राहुल कन्नौजिया,कुशीनगर के कसया स्थित बरवा जंगल निवासी आदित्य शर्मा, तुर्कपट्टी के छहूं निवासी यश सिंह, देवरिया के महुआडीह भटनी दादन गांव के सोनू गौतम, खलीलाबाद के सचिन,विवेक शर्मा तथा प्रमोद यादव को हिरासत में ले लिया।

इसमे विपिन कन्नौजिया उर्फ सुल्तान पर पहले से कई केस थानों में दर्ज है। वह गिरोह का संचालन करता है। रामगढ़ताल थाने में पुलिस के सामने वह लगातार हंसता रहा। जिसे देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान हो गए।

फास्ट न्यूज

आईआईटी कानपुर ने सूजन वाले 'प्रोटीन रिसेप्टर' को पहचाना

कानपुर। मेडिकल साइंस की दुनिया में कानपुर आईआईटी के वैज्ञानिकों ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है, जिससे आने वाले दिनों में दिल का दौरा (हार्ट अटैक), अल्जाइमर और पार्किंसन जैसी जानलेवा बीमारियों का इलाज बेहद आसान हो जाएगा। आईआईटी की टीम ने 3 साल के कड़े शोध के बाद मानव शरीर की नसों और धमनियों में सूजन लाने वाले असली विलेन यानी 'प्रोटीन रिसेप्टर्स' की पहचान कर ली है।

20 बीघा जमीन के लिए दादा की हत्या की थी

मेरठ। मेरठ में 20 बीघा जमीन के विवाद ने रिश्तों को इस कदर शर्मसार कर दिया कि दो पोतों ने अपने ही 82 वर्षीय दादा की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोप है कि पहले दोनों ने चौपाल पर बैठे बुजुर्ग के सीने में गोली मारी और फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर फरार हो गए। वारदात के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग अपनी 20 बीघा जमीन मृत बेटे के बच्चों के नाम करने की तैयारी में थे, जिससे परिवार के दूसरे पक्ष में नाराजगी थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

मुहर्रम के जूलूस में गूंजी 'या-हुसैन' की सदाएं

वाराणसी। वाराणसी में दसवी मुहर्रम पर शुक्रवार को शहर से लेकर गांव तक के इमाम चौकों पर ताजिये सजाए गए। हाथों में ताजिए उठाए तो 'या हुसैन या हुसैन' की सदाएं गूंज उठी। इमाम चौकों पर शहीदाने कर्बला की याद में फातिहा पढ़ी गई और इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को शिद्दत से याद की गई।

वाराणसी में भाजपा ने मनाया संविधान हत्या दिवस

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में शुक्रवार को आपातकाल के विरोध में भाजपा ने संविधान हत्या दिवस मनाया। शहर में आपातकाल की तस्वीरों को समायोजित कर प्रदर्शनी लगाई। आपात 51वें वर्ष पर आयोजित मीसा बंदियों, लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोह किया।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संगोष्ठी में आपातकाल के काले अध्याय का उल्लेख किया। कहा कि भारत मां को आपातकाल की बेड़ियों से बांधे जाने के खिलाफ आवाज उठाने वाले महान मीसा बंदियों, लोकतंत्र सेनानियों का आत्मीय अभिनंदन एवं सम्मान आजीवन रहेगा। 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर संविधान हत्या दिवस हमारे लिए नासूर की तरह है। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सत्ता बचाने के

■ ब्रजेश पाठक बोले- आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय

लिए संविधान की मूल भावना को कुचलने का प्रयास किया वो लोकतंत्र की हत्या थी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने फीता काटकर संविधान हत्या दिवस के 51वें वर्ष पर आपातकालीन वेदना और संघर्ष को अभिव्यक्त करने वाली आपातकाल प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इसके बाद दीनदयाल उपाध्याय और श्यामप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया।

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा, आपने अवमानना की है, पंचायत चुनाव टालना गलत, हलफनामा दीजिए

'प्रधानों को प्रशासक कैसे बनाया'

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में पंचायत चुनाव टालने पर शुक्रवार को कड़ी नाराजगी जताई है। ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की बेंच ने सुनवाई की। उन्होंने सरकार से पूछा- आपने प्रधानों को प्रशासक कैसे बनाया? यह डिविजन बेंच के आदेश का उल्लंघन है, जो अदालत की अवमानना की कैटेगरी में आता है। हाईकोर्ट ने कहा- प्रधानों को प्रशासक रूप में बने रहने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। 25 और 26 मई 2026 के जिन आदेशों के आधार पर ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने का प्रयास किया गया, उन्हें पहले ही असंवैधानिक घोषित किया जा चुका है। अदालत ने पंचायत चुनाव टालने को असंवैधानिक बताया है। कोर्ट ने सरकार से हलफनामे के साथ OBC रिपोर्ट और पंचायत चुनाव कराने की टाइमलाइन मांगी है। हालांकि कोर्ट ने अभी किसी तरह की कोई अंतरिम रोक नहीं लगाई है। सहारनपुर अरविंद राठौर ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि यदि अगली सुनवाई तक सरकार संतोषजनक जवाब नहीं देती तो संबंधित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

21 मई को सरकार ने बनाया था ओबीसी आयोग

यूपी सरकार ने पंचायत चुनाव के लिए 21 मई को पिछड़ा वर्ग आयोग (ओबीसी आयोग) बनाया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज राम औतार सिंह आयोग के अध्यक्ष हैं। साथ ही आयोग में 2 रिटायर्ड अपर जिला जज (बृजेश कुमार, संतोष विश्वकर्मा) और 2 रिटायर्ड IAS (डॉ. अरविंद चौरसिया और एसपी सिंह) को शामिल किया गया।

आयोग बोला- हम चुनाव कराने के लिए तैयार

यूपी में पंचायतों का कार्यकाल 26 मई, 2026 को समाप्त हो चुका है। लेकिन, 25 मई को सरकार ने आदेश जारी कर ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया था। साथ ही पंचायत चुनाव के लिए ओबीसी आरक्षण तय करने को पिछड़ा वर्ग आयोग भी बनाया गया। उसे छह महीने का समय दिया गया, ताकि वो हर जिले में पिछड़ों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का आकलन कर सके। याचिका में प्रशासकों को हटाकर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग ने अदालत को बताया कि 10 जून 2026 को मतदाता सूची प्रकाशित की जा चुकी है और आयोग चुनाव कराने के लिए तैयार है। केवल राज्य सरकार की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण चुनाव प्रक्रिया रुकी हुई है।

सभी पक्षों को सुनने के बाद हाइकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा कि 19 फरवरी, 2026 की मौजूदा अधिसूचना के हिसाब से क्या वह पंचायत चुनाव कराने की स्थिति में है? कोर्ट ने यह भी कहा कि पंचायत चुनाव 26 मई, 2026 तक या उससे पहले संपन्न हो जाने चाहिए।

2027 में जनता सत्ता से बाहर करेगी : अखिलेश यादव

'भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा'

■ सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच रहकर संगठन मजबूत करने और सद्भाव बनाए रखने का किया आह्वान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी को लोकतांत्रिक मूल्यों में कोई आस्था नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा जनता का विश्वास खो चुकी है और सत्ता में बने रहने के लिए सांसदों की खरीद-फरोख्त जैसी योजनाएं बना रही है, ताकि संविधान में मनमाने संशोधन किए जा सकें। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लोकतंत्र की रक्षा के लिए निर्णायक होगा और प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करेगी। उनके अनुसार, उत्तर प्रदेश की जनता में भाजपा को सबक सिखाने की ताकत है।

अपने संबोधन के अंत में अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता आपसी सम्मान बनाए रखें, समाज में सद्भाव का वातावरण तैयार करें, अपनी भाषा और व्यवहार को संयमित रखें तथा जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान और सहायता के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का आरोप

सपा प्रमुख ने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी कारण पुल, सड़कें और पानी की टंकियां समय से पहले क्षतिग्रस्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा सरकार को भी अधिक समय तक टिकने नहीं देगी और प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए 2027 में सपा की सरकार बनना आवश्यक है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में लोगों की जान की कोई कीमत नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमीशनखोरी के कारण अग्निकांड, सड़क दुर्घटनाएं और हत्याओं जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार संवेदनहीन हो चुकी है और युवाओं का भविष्य संकट में डाल दिया गया है।

अयोध्या में मातमी माहौल में 178 मोहर्रम जुलूस निकाले

अयोध्या । अयोध्या में मोहर्रम का पर्व शुक्रवार को गम, अकीदत और धार्मिक श्रद्धा के माहौल में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जिले भर में निकले ताजिया जुलूसों में हजारों अकीदतमंद शामिल हुए। ₹या हुसैन₹ की सदाओं, मातमी नारों, नोहाखानी और मर्सिया के बीच कर्बला के शहीदों को याद किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी के अनुसार, जिले में कुल 178 ताजिया जुलूस निकाले गए, जबकि 2,349 ताजियों को निर्धारित कर्बला स्थलों पर सुपुर्द-ए-खाक किया गया। शाम तक सभी जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए। रुदौली, मिल्कीपुर, देवगांव, सैदपुर, बीकापुर, कुचेरा और शाहगंज समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों से ताजिया जुलूस निकाले गए। अकीदतमंदों ने हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के अन्य शहीदों की याद में मातम किया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अमरनाथ यात्रा में मिलेगा बनारसी व्यंजनों का जायका

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को इस बार जम्मू-कश्मीर के चंदनवाड़ी में बनारस के प्रसिद्ध व्यंजनों का स्वाद मिलेगा। वाराणसी से 70 सेवादार वहां सेवा शिविर और निशुल्क भंडारे का संचालन करेंगे। श्रद्धालुओं को पूड़ी-कचौड़ी, जलेबी, ठंडाई, बनारसी पान समेत कई व्यंजन परोसे जाएंगे।

श्री बाबा काशी विश्वनाथ सेवा समिति पिछले 26 साल से यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा कर रही है। इस बार 3 जुलाई से रक्षाबंधन तक भंडारा चलेगा। शिविर में भोजन के साथ ठहरने और जरूरत का सामान भी उपलब्ध कराया जाएगा।

श्री बाबा काशी विश्वनाथ सेवा समिति पिछले 26 वर्षों से अमरनाथ यात्रा के दौरान सेवा शिविर लगा रही है। इस बार भी समिति की ओर से चंदनवाड़ी में 3 जुलाई से भंडारे की शुरुआत होगी। रक्षाबंधन तक

■ काशी से 70 सेवादार जाएंगे, श्रद्धालुओं के लिए लगेगा निशुल्क भंडारा

चलने वाले इस शिविर में यात्रा मार्ग से गुजरने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन, विश्राम और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

समिति के अध्यक्ष दिलीप सिंह बंटी ने बताया कि इस बार भी शिविर में बनारसी संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। श्रद्धालुओं को पूड़ी-कचौड़ी, गरमा-गरम जलेबी, ठंडाई और बनारसी पान परोसा जाएगा। इसके अलावा बनारस की खास मिठाइयां भी तैयार की जाएंगी।

घेराबंदी : शामली पुलिस पर कार्बाइन से गोलियां बरसाईं, 12 किमी. पीछा करके मार गिराया

महिला सिपाही की चेन लूटने वाला बदमाश एनकाउंटर में ढेर

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली । यूपी के शामली में शुक्रवार तड़के 5 बजे 50 हजार का इनामी बदमाश मेहताब एनकाउंटर में मारा गया। बदमाश किसान से मोबाइल लूटकर भाग रहा था। पुलिस ने 12 किमी तक पीछा कर उसे घेर लिया। खुद को घिरता देख उसने कार्बाइन से फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश मारा गया।

मुठभेड़ दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर कांधला थाना क्षेत्र में हुई। आरोपी मेहताब उर्फ बेचैन मुकीम काला गैंग का सक्रिय सदस्य था। उस पर 34 मुकदमे थे। 1 मार्च को उसने शामली में ही महिला सिपाही

मेहताब, मृतक बदमाश

से तमंचे के बल पर कुंडल और चेन लूट ली थी। इसके अलावा, एक शुगर मिल के अफसर के साथ भी लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार सुबह 3 बजे बाबरी थाना क्षेत्र के हाथी करौदा गांव के रहने वाले नरेंद्र और उनके भाई नरेशपाल खेतों में पानी लगाने जा रहे थे। जलालपुर कट के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने तमंचा दिखाकर उनका मोबाइल फोन, बाइक की चाबी और 180 रुपए लूट लिए। विरोध करने पर बदमाशों ने फायरिंग की और फरार हो गए। किसानों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चेकिंग शुरू की। पुलिस टीम ने बदमाशों को ट्रेस कर लिया। पता चला कि बदमाश जलालपुर कट के आसपास ही हैं।

एसपी एनपी सिंह ने बताया- किसान से लूट की सूचना के बाद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी की थी। बदमाशों की फायरिंग के जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की, जिसमें मेहताब घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फरार साथी की तलाश जारी है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

34 से अधिक मुकदमों में था वांटेड

SP एनपी सिंह ने बताया- हिस्ट्रीशीटर मेहताब मूल रूप से कैराना कस्बे का रहने वाला था। 2017 से सहारनपुर में रह रहा था। उसके खिलाफ शामली और सहारनपुर में लूट, डकैती, हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी समेत 34 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। वह पश्चिमी यूपी के कुख्यात मुकीम काला गैंग का सक्रिय सदस्य था।

■ पुलिस ने मौके से लूटा गया मोबाइल फोन, 180 रुपए नकद, बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल, 9 एमएम की पिस्टल, 9 एमएम की कार्बाइन, 13 जिंदा कारतूस और 8 खोखे बरामद किए हैं।

रेप की झूठी गवाही से इनकार पर साले की हत्या लाठी से पीटकर मार डाला

'अपर जिला जज' लिखी कार से कुचला

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में रेप केस में फर्जी गवाही देने से इनकार करने पर शिकायतकर्ता ने अपने ही सगे साले की डंडों से पीट-पीटकर और कार से कुचलकर हत्या कर दी। जिस कार से युवक को कुचला गया, उस पर 'अपर जिला जज' की नेम प्लेट लगी थी। बुधवार देर शाम हुई यह वारदात जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर सिद्धौर-केसरगंज मार्ग पर कोठी थाना क्षेत्र में हुई। घटना के विरोध में गुरुवार देर शाम परिजनों ने शव रखकर प्रदर्शन किया। इसके बाद देर रात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की।

मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी जीजा, उसके भाई और पिता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल तीनों आरोपी कार समेत फरार हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर 22 चोटों की पुष्टि हुई है। हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के बाजरीलालपुरवा मजरा निवासी 21 वर्षीय युवक की बड़ी बहन की शादी तीन साल पहले कोठी थाना क्षेत्र निवासी आरोपी से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ गांव के ही एक युवक पर रेप का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। मामला कोर्ट में चल रहा। परिजनों का आरोप है कि आरोपी लगातार अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष पर कोर्ट में उसके पक्ष में गवाही देने का दबाव बना रहा था। इसी वजह से महिला मायके में रह रही थी। 24 जून को कोर्ट में सुनवाई की तारीख थी। आरोपी ने फोन कर पत्नी और

साले को गवाही के लिए बुलाया, लेकिन उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद दोनों वापस घर लौट आए।

परिजनों के मुताबिक, कुछ देर बाद आरोपी ने फिर फोन कर युवक को अपने घर बुलाया। बुधवार शाम युवक अपने दो दोस्तों के साथ बाइक से बहन के ससुराल जा रहा था। तभी कोठी थाना क्षेत्र में रास्ते में आरोपी, उसके भाई और पिता ने कार से बाइक में टक्कर मार दी। तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने लाठी-डंडों से उनकी पिटाई की।

नहर किनारे मिला खून से सना शव

जलालपुर में सनसनी, बीबीपुर परसा निवासी संजय सिंह का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप

सनसनी

- पुराने हादसे से कमजोर थी हालत
- घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के जीवत–मधईपुर गांव के पास नहर किनारे शुक्रवार सुबह एक 45 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव खून से लथपथ हालत में पड़ा था और सिर व चेहरे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए। प्राथमिक जांच में ईंट या पत्थर से हमला कर हत्या की आशंका जताई जा रही है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई। मृतक की पहचान बसखारी थाना क्षेत्र के बीबीपुर परसा निवासी संजय सिंह (45) के रूप में हुई। पहचान होते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी। अभी परिजनों की ओर से तहरीर नहीं मिली है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

सुबह घर से निकला, शाम तक नहीं लौटा

परिजनों के अनुसार संजय सिंह बृहस्पतिवार सुबह करीब आठ बजे घर से चाय पीने के लिए निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह नहर किनारे शव मिलने की सूचना पुलिस ने परिजनों को दी। बड़े भाई शंकर सिंह ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की। मृतक तीन भाइयों में मंझिला था। वह अविवाहित था। परिवार में पिता लल्लू सिंह हैं, जबकि मां का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार की आर्थिक स्थिति मजदूरी पर निर्भर है।

> परिजनों ने बताया कि कुछ समय पहले संजय सड़क हादसे में घायल हो गया था। उसके दाहिने पैर में रॉड डाली गई थी। इसके बाद वह ठीक से चल नहीं पाता था और कामकाज भी बंद हो गया था।

हत्या के एंगल से जांच शुरू

घटना की जानकारी पर पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आसपास के क्षेत्र में जांच-पड़ताल की। प्रारंभिक तौर पर सिर पर चोट के गंभीर निशान मिलने से हत्या की आशंका मजबूत मानी जा रही है।

अब फायर सेफ्टी में लापरवाही नहीं चलेगी प्रशासन का सख्त आदेश

अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य, हादसे की स्थिति में संस्थान और संचालक पर तय होगी जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में अग्नि सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की ओर से जारी आदेश में होटल, लॉज, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, मॉल, मल्टीप्लेक्स, कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी, स्टोर तथा सभी औद्योगिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जारी निर्देशों के अनुसार सभी संस्थानों को अपने यहां स्थापित फायर एक्सटिंग्विशर, फायर हाइड्रेंट, स्प्रिंकलर सिस्टम और अन्य अग्निशमन उपकरणों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित करना होगा। प्रशासन ने कहा है कि केवल उपकरण स्थापित कर देना पर्याप्त नहीं है। सभी सुरक्षा संसाधन हर समय कार्यशील अवस्था में होने चाहिए और उनका संचालन भी प्रभावी ढंग से हो सके, इसकी जिम्मेदारी संस्थान प्रबंधन की होगी। प्रशासन ने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि किसी संस्थान में अग्नि सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम नहीं पाए जाते हैं और इसके कारण कोई दुर्घटना या अप्रिय घटना होती है, तो संबंधित संस्थान और उसके संचालक की जवाबदेही तय की जाएगी। ऐसे मामलों में प्रचलित विधिक प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय जनसुरक्षा को मजबूत करने और आग जैसी आपात स्थितियों में जन-धन के नुकसान को कम करने के उद्देश्य से लिया गया है। सभी संबंधित प्रतिष्ठानों को निर्देशों का तत्काल और शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रशासन ने संकेत दिया है कि अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा और निरीक्षण किया जाएगा। जिन संस्थानों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं मिलेगा, उनके खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फास्ट न्यूज़

पुश्तैनी जमीन पर कब्जे के प्रयास का आरोप

अंबेडकरनगर। भीटी तहसील क्षेत्र के रसूलपुर गांव में पुश्तैनी जमीन को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। साथ ही जमीन पर कथित अवैध कब्जे के प्रयास को रोकने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, कुछ लोग पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

शिव बाबा मेले में बिछड़ी ढाई वर्षीय बच्ची को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

अंबेडकरनगर। शिव बाबा मेले में परिजनों से बिछड़ी करीब ढाई वर्षीय बालिका को कोतवाली अकबरपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल उसके परिवार से मिला दिया। पुलिस की सक्रियता से बच्ची सुरक्षित परिजनों तक पहुंच गई। पुलिस के अनुसार, मेले के दौरान आकृति नाम की करीब 2.5 वर्षीय बालिका अपने परिजनों से बिछड़कर इधर-उधर भटक गई थी। सूचना मिलते ही कोतवाली अकबरपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर उसके परिजनों की तलाश शुरू की।

सीएचसी बसखारी का अधीक्षक ने किया निरीक्षण

बसखारी, अम्बेडकरनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी के अधीक्षक डॉ. अजय कुमार ने गुरुवार को अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की साफ-सफाई, दवा वितरण व्यवस्था, मरीजों के उपचार, वार्डों की स्थिति तथा अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया गया।

हड्डियों की सेहत जांचने को लगा निःशुल्क बीएमडी शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

- महमाया मेडिकल कॉलेज में ऑस्टियोपोरोसिस की समय रहते पहचान पर जोर, विशेषज्ञों ने दी सलाह

अम्बेडकरनगर। महमाया राजकीय मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभाग में गुरुवार को निःशुल्क बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य मरीजों में हड्डियों की कमजोरी की समय रहते पहचान कर ऑस्टियोपोरोसिस जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम करना रहा। शिविर का आयोजन विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जावेद अहमद की ओपीडी में किया गया। इसमें लगभग 230 मरीजों की बीएमडी जांच की गई। जांच के माध्यम से हड्डियों की घनत्व स्थिति का आकलन किया गया और जरूरतमंद मरीजों को आगे उपचार के लिए परामर्श दिया गया।

विशेषज्ञों ने बताया कि बीएमडी जांच से शरीर में हड्डियों की कमजोरी का शुरुआती चरण में ही पता लगाया जा सकता है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी को समय रहते नियंत्रित किया जा सकता है। डॉक्टरों ने मरीजों को नियमित जांच और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी।

प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव की मंशा के अनुरूप मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया। विभाग की ओर से कहा गया कि ऐसे शिविरों से लोगों को विशेषज्ञ जांच का लाभ बिना किसी शुल्क के मिल रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की तैयारियां तेज

उपहार सामग्री से लेकर आवेदन सत्यापन तक तय किए मानक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विवाह कार्यक्रम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। इस दौरान कार्यक्रम की तैयारियों, लाभार्थियों के सत्यापन और उपहार सामग्री की खरीद सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नवविवाहित जोड़ों को उपलब्ध कराई जाने वाली सभी उपहार सामग्री निर्धारित मानकों और उच्च गुणवत्ता के अनुरूप खरीदी जाए। उन्होंने कहा कि प्रेस, पैंट-शर्ट, साड़ी, कंबल, बेडशीट, डिनर सेट, गद्दा सहित अन्य सामग्री की खरीद में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए। जिलाधिकारी ने योजना के अंतर्गत प्राप्त सभी ऑनलाइन आवेदनों का समयबद्ध और पारदर्शी सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन की गंभीरता से जांच की जाए और केवल पात्र एवं सत्यापित लाभार्थियों को ही योजना का लाभ दिया जाए। सत्यापन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ी निविदा प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासनादेश और जेम (GeM) पोर्टल के प्रावधानों के अनुरूप निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं समयबद्ध तरीके से पूरी कर कार्यक्रम की तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित की जाएं।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

नशा मुक्ति का संदेश लेकर मुसहर बस्ती पहुंची जागरूकता मुहिम

तमसा संकेत, संवाददाता

- जन शिक्षण केंद्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बच्चों व माताओं को नशे के दुष्प्रभाव बताए

अम्बेडकरनगर। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध मादक पदार्थ तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जन शिक्षण केंद्र, कुटियवा-बेवाना और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के संयुक्त तत्वावधान में विकासखंड जलालपुर के कर्मिसिरपुर स्थित मुसहर बस्ती में संचालित प्री-स्कूल सेंटर पर नशा मुक्ति जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्री-स्कूल सेंटर के बच्चों, उनकी माताओं और नारी संघ की महिलाओं ने भाग लिया। गोष्ठी में नशे के दुष्प्रभाव, परिवार और समाज पर इसके प्रभाव तथा नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन अपनाने के महत्व की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक स्थिति और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल असर डालती है। इसके साथ ही बच्चों और महिलाओं को परिवार में जागरूकता बढ़ाने तथा नशा मुक्त वातावरण बनाने की आवश्यकता पर भी जानकारी दी गई। जन शिक्षण केंद्र की सचिव पुष्पा पाल ने कहा कि नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी लड़ाई जागरूकता के माध्यम से ही लड़ी जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि परिवार, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, नशे के दुष्प्रभाव को समझेंगे तो समाज में सकारात्मक बदलाव संभव होगा।

पियारेपुर मंदिर के पास सरिया में फंसी बाइक, पति-पत्नी और 6 साल के बेटे की मौत से पसरा मातम

हाइवे पर खड़ी डीसीएम बनी मौत का जाल

दुर्घटना

- अस्पताल पहुंचने पर टूटा परिवार, तीनों की मौत
- पुलिस ने शव और वाहन कब्जे में लिए
- एक पल की लापरवाही ने उजाड़ दिया परिवार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अहिरौली थाना क्षेत्र के पियारेपुर मंदिर के पास शनिवार को नेशनल हाइवे पर हुआ सड़क हादसा एक ही परिवार के लिए काल बन गया। सरिया लदे खड़े डीसीएम वाहन से टकराकर बाइक सवार पति, पत्नी और उनके छह वर्षीय बेटे की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर चीख-पुकार मच गई।

जानकारी के मुताबिक, अयोध्या जिले के गोशाईगंज क्षेत्र के गौहनिया गांव निवासी सुरेंद्र कुमार अपनी पत्नी सरिता और बेटे सक्षम के साथ बाइक से अकबरपुर जा रहे थे। परिवार का उद्देश्य जिला मुख्यालय स्थित अस्पताल में भर्ती सास से मुलाकात करना था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को सीएचसी कटेहरी भेजा गया। डॉक्टरों ने सुरेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया। बाद में जिला अस्पताल में पत्नी सरिता ने भी दम तोड़ दिया।

पंचर बनवाने के लिए खड़ी थी डीसीएम, पीछे से घुस गई बाइक

बताया गया कि पियारेपुर के पास हनुमान मंदिर के समीप सड़क पर एक डीसीएम वाहन खड़ा था। वाहन का टायर पंचर होने के कारण मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सीधे डीसीएम के पीछे घुस गई। टक्कर में बाइक चला रहे सुरेंद्र कुमार का गला डीसीएम में लगे सरिया में फंस गया, जिससे उनकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। पत्नी सरिता और बेटा सक्षम भी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

> घटना की जानकारी पर अहिरौली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गंभीर रूप से घायल बेटे सक्षम को सद्दरपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हाइवे पर खड़े भारी वाहन और अचानक हुई टक्कर ने पूरे परिवार की जिंदगी छीन ली। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है।

मददगार नागरिकों को मिलेगा प्रशासनिक सम्मान

हादसे में 'राहबीर' बनेंगे असली हीरो

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों की मदद करने वाले आम नागरिकों को अब "राहबीर (गुड सेमेरिटन) योजना" के तहत प्रशासनिक स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने जनपद-वासियों से अपील करते हुए कहा कि दुर्घटना के बाद तुरंत सहायता देकर घायल को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग करें, जिससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद शुरुआती समय यानी गोल्डन ऑवर में मिली मदद जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक भूमिका निभाती है। इसी को देखते हुए सरकार की इस योजना के तहत निःस्वार्थ रूप से सहायता करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति ने सड़क दुर्घटना में घायल को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद की है, तो उसकी जानकारी सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के मोबाइल नंबर 8005441172 पर दी जाए। सूचना के आधार पर पात्र व्यक्तियों का सत्यापन कर उन्हें योजना के अंतर्गत सम्मानित किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा प्रयासों से 10 प्रतिशत तक हादसों में कमी

जिलाधिकारी ने बताया कि परिवहन, पुलिस, लोक निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग और स्थानीय निकायों के संयुक्त प्रयासों से सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 10 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

> एआरटीओ ने जानकारी दी कि सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों के सहयोग से विभागीय अधिकारियों को 'संजया एप्लीकेशन' का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके माध्यम से ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधार कार्य किए जा रहे हैं।

तहसील परिसर में सूखी पानी की टंकी फरियादी और अधिवक्ता परेशान

तमसा संकेत, संवाददाता

- आलापुर में पेयजल संकट गहराया, लंबे समय से बंद व्यवस्था पर उठे सवाल

अंबेडकरनगर। आलापुर तहसील मुख्यालय परिसर में स्थित पानी की टंकी लंबे समय से बंद पड़ी है। इसके कारण तहसील में आने वाले फरियादियों, वादकारियों और अधिवक्ताओं को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। तहसील परिसर में विभिन्न विभागों के कार्यालय और कर्मचारियों की मौजूदगी के बावजूद पेयजल की समुचित व्यवस्था ठप पड़ी है। पानी की टंकी के बंद रहने से लोगों को बाहर से पानी लाना पड़ रहा है या हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तहसील जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक परिसर में पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा का ठप होना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। दिनभर बड़ी संख्या में फरियादी और वादकारी अपने कार्यों के लिए तहसील पहुंचते हैं, लेकिन पानी उपलब्ध न होने से उन्हें परेशानी झेलनी पड़ रही है। अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए तत्काल समाधान की मांग की है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हृदय राम, कुमार शंकर चौबे, महेंद्र एडवोकेट, सुनील वकील, मनोज कुमार, राकेश कुमार गोंड, अजीत कुमार एडवोकेट, अनिल कुमार, जयप्रकाश, सुरेंद्र कुमार, गजराज यादव, दिनेश सिंह और पूर्व अध्यक्ष अरुण चौबे सहित अन्य अधिवक्ताओं ने पानी की टंकी को जल्द चालू कराने की मांग की है।

निर्देश : विद्यालयों में सुविधाओं की गुणवत्ता सुधारने पर जोर

बेसिक शिक्षा व्यवस्था पर डीएम सख्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग की जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति तथा जिला निपुण टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और विद्यालयों में शैक्षिक एवं भौतिक सुधारों को लेकर विस्तृत निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय, मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को शीघ्र हस्तांतरित कराने और निर्माणाधीन कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बाउंड्री फेंसिंग का कार्य जल्द पूरा कराने को कहा। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि अभिभावकों से नियमित संवाद स्थापित कर बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही विद्यार्थियों को स्वच्छ और यूनिफॉर्म में विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने पर भी बल दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कोक्लियर इम्प्लांट श्रेणी के श्रवण बाधित बच्चों को एलिम्को से समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहायक उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मिड-डे मील में लापरवाही पर जवाबदेही तय होगी

जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत निर्धारित मेन्यू के अनुसार फल, दूध और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी विद्यालय में एमडीएम, फल या दूध वितरण में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

पेयजल और रसोईघर व्यवस्था को प्राथमिकता

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विद्यालयों में रसोईघर या पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है, वहां प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सुधार कार्य कराया जाए। उन्होंने विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर और व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया।

> बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति का प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत सभी निर्धारित मानकों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए।

या हुसैन की सदाओं के बीच निकला 10वीं मोहर्रम का जुलूस

कर्बला पहुंचकर संपन्न हुआ मातमी कारवां

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय के जुड़वा शहर अब्दुल्लापुर और शहजादपुर में शुक्रवार को 10वीं मोहर्रम का जुलूस पूरी अकीदत और पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। नोहाखानी, सीनाज़नी और मातम के जरिए कर्बला के शहीदों, विशेष रूप से इमाम हुसैन की शहादत को याद किया गया। पूरे आयोजन के दौरान माहौल शांतिपूर्ण रहा।

जुलूस का आयोजन अंजुमन हैदरिया रजिस्टर्ड और अंजुमन हैदरिया कदीम की ओर से किया गया। निर्धारित समय पर जुलूस शुरू हुआ और शहजादपुर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए अब्दुल्लापुर स्थित कर्बला पहुंचा। पूरे रास्ते अकीदतमंद ₹या हुसैन₹ की सदाओं के बीच नोहाखानी और सीनाज़नी करते रहे। कई लोगों ने ज़ंजीर और क़मा का मातम भी किया। अंजुमन हैदरिया रजिस्टर्ड के बच्चों और युवाओं ने भी मातम में भाग लिया।

जुलूस के कर्बला पहुंचने पर मजलिस का आयोजन हुआ। धार्मिक परंपराओं के अनुसार कार्यक्रम संपन्न होने के बाद अकीदतमंदों ने कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश की। आयोजन के दौरान अनुशासन और व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहीं।

मोहर्रम को लेकर पुलिस प्रशासन पहले से सतर्क रहा। जुलूस के पूरे मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी गई।

सम्पादकीय

नागरिकता का प्रमाण

विदेश मंत्रालय के इस स्पष्टीकरण ने कि पासपोर्ट यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, एक बहस को जन्म दे दिया है तो इसीलिए, क्योंकि आम धारणा यही थी कि पासपोर्ट नागरिकता का सबसे पुष्ट प्रमाण होता है। यह आम धारणा इसके बाद भी थी कि पासपोर्ट एक्ट ऐसा नहीं कहता। इस एक्ट के अनुसार विशेष परिस्थितियों में गैर-भारतीयों को भी पासपोर्ट जारी किया जा सकता है। उच्च न्यायालयों ने भी यही निर्णय दिया है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है।

विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद इस पर बहस होना स्वाभाविक है कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है तो फिर क्या है? यह प्रश्न इसलिए भी सतह पर है, क्योंकि हाल में और विशेष रूप से कुछ राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के वक्त यह कहा गया कि आधार भी नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसी तरह पैन, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड इत्यादि भी नागरिकता के प्रमाण पत्र नहीं माने गए। यह सही है कि नागरिकता का निर्धारण सिटिजनशिप एक्ट के तहत होता है, लेकिन समस्या यह है कि देश के लोगों को किसी तरह का नागरिकता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता।

सिटिजनशिप एक्ट यह तो बताता है कि जन्म, वंश, देश में लंबी अवधि तक रहने और कुछ अन्य आधारों पर नागरिकता तय होती है, लेकिन अपने देश में अन्य देशों की तरह नागरिकता का कोई विशिष्ट प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता। विश्व के विकसित और यहां तक कि कई विकासशील देशों में यह काम किया जाता है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इन देशों के लोगों को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए तरह-तरह के दस्तावेजों का सहारा नहीं लेना पड़ता। चूंकि सिटिजनशिप एक्ट इसकी सिफारिश करता है कि भारत सरकार प्रत्येक नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण कर सकती है, राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी कर सकती है और अपने नागरिकों का रजिस्टर यानी एनआरसी तैयार कर सकती है, इसलिए यह काम किया ही जाना चाहिए।

हालांकि अतीत में नागरिकता प्रमाण पत्र के लिए एनआरसी लाने और आधार को एनआरसी से जोड़ने की कोशिश की गई, लेकिन कुछ हो नहीं सका। इसके बाद नागरिकता कानून में संशोधन करने यानी सीएए बनाने के बाद एनआरसी की आवश्यकता जताई गई, लेकिन उसके खिलाफ दुष्प्रचार के तहत एक अभियान छेड़ दिया गया। इससे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने की पहल ठंडे बस्ते में चली गई। अभी तक केवल असम में नागरिक रजिस्टर तैयार किया जा सका है। उचित यह होगा कि शेष देश में भी ऐसा ही किया जाए और एनआरसी तैयार कर लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिए जाएं। यह पहल घुसपैठियों की पहचान करने के साथ कई अन्य समस्याओं का भी समाधान करेगी।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

"मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है।

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना। पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

ललित गर्ग

अणुव्रत को अपनायें

अणु यानी सूक्ष्मतम कण पर शक्ति असीम असाधारण हैं । यह सृजनात्मक भी, विध्वंसात्मक भी आदि हैं ।हम सभी विध्वंस का दृश्य तो जानते ही हैं । वह हिरोशिमा नागासाकी की विनाशलीला हैं । वह सृजनात्मकता में ऊर्जा का असीम रचनात्मक स्रोत है । यह लघु कण हैं । यह एटॉमिक ऊर्जा से विद्युत उत्पादन है जो इसके साक्षात उदाहरण हैं । आदमी के भीतर संस्कारों का जगत होता हैं । वह इस जगत में सत् संस्कार भी होते हैं और असत् संस्कार भी होते हैं । वह इस जगत में हिंसा का भाव भी हो सकता हैं तो अहिंसा का भाव भी हो सकता हैं । वह इस जगत में बुराईं के बीज हो सकतें हैं तो अच्छाईं के बीज भी हो सकतें हैं । वह अपेक्षा इस बात की होती हैं कि असत् को कृश और क्षीण करने का तथा सत् को बढ़ावा देने का , हिंसा को अपेक्षानुसार कमजोर करने का और अहिंसा को बलवान बनाने का , बुराईं को दूर करने का और अच्छाईं को निकट लाने का और आत्मसात् करने का प्रयास सकतें हैं । आचार्य श्री तुलसी के उर्वर मस्तिष्क में एक कल्पना उठी, कैसे लघु व्रतों से जीवन सँवारना हैं । वह विद्युत तरंग सा एक उनको रचनात्मक सपना आया। वह लघु में विशाल का गहन चिन्तन किया था । वह सकारात्मक सोच का स्पंदन व अणुव्रतों का अवतरण हुआ। यह शनैः शनैः राष्ट्रव्यापी नैतिकता का आंदोलन बना । हर वर्ग का जन-जन और सात समुद्र पार का भी जनजीवन लाभान्वित हुआ । वह इस प्रयास के संदर्भ में हम अणुव्रत का दर्शन कर सकते हैं । हम यदा- कदा अणुव्रत की बात करतें हैं । जैन आगमों में भी हमें अणुव्रत की बात प्राप्त होती हैं । आचार्य श्री भिक्षु ने जो एक सिद्धांत दिया था वह अणुव्रत आन्दोलन का आधार माना जा सकता हैं । मिथ्यात्वी की करणी भी मोक्ष मार्ग की देश आराधिका हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

यदि जांच में यह...

सौरभ वार्ष्णेय

श्रद्धालुओं का विश्वास कैसे कायम रखें, पारदर्शी व्यवस्था जरूरी

अयोध्या में स्थित श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि देश विदेश में बैठे हर श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। ऐसे में मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और अनियमितताओं से जुड़े मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में बड़े खुलासों के संकेत सामने आना अत्यंत गंभीर विषय है। यह मामला केवल धन के दुरुपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि उस भरोसे से भी जुड़ा है जो श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के साथ मंदिर प्रबंधन पर व्यक्त करते हैं। हालांकि इस रिपोर्ट में क्या है यह बाहर नहीं आया है लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस रिपोर्ट में बहुत कुछ बड़ा है जिस पर चिंतन मनन चल रहा है।

यह सभी जानते हैं कि यह श्रीराम मंदिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जुगो जुगो तक ५०० वर्षों के बाद वह विजय गाथा है जो भारतीय जनता पार्टी के लिए संजीवनी बूटी का काम करेगी? चढ़ावा चोरी मामले की जांच को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठाकर देखा जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि श्रद्धालुओं का विश्वास कैसे कायम रखा जाए। क्योंकि मंदिर की भव्यता पत्थरों से नहीं, बल्कि भक्तों की अटूट श्रद्धा और विश्वास से निर्मित होती है।

प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार एसआईटी को चढ़ावे के संग्रह,

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

गिनती और जमा करने की प्रक्रिया में कुछ संदिग्ध पहलुओं के प्रमाण मिले हैं। यदि जांच में यह साबित होता है कि चढ़ावे की राशि में हेराफेरी हुई है, तो यह न केवल कानूनी अपराध होगा बल्कि धार्मिक भावनाओं के साथ विश्वासघात भी माना जाएगा। राम मंदिर निर्माण और संचालन से जुड़ी संस्थाओं पर देश-विदेश के करोड़ों लोगों की निगाह रहती है, इसलिए पारदर्शिता और जवाबदेही की अपेक्षा भी स्वाभाविक रूप से अधिक है ।यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच पूरी होना आवश्यक है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप और दोषसिद्धि के बीच स्पष्ट अंतर होता है। इसलिए केवल आशंकाओं या राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर निर्णय देना उचित नहीं होगा। एसआईटी को निष्पक्ष, स्वतंत्र और तथ्यों पर आधारित जांच करनी चाहिए ताकि सत्य सामने आ सके। स घटना ने एक बार फिर देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में वित्तीय प्रबंधन और लेखा-परीक्षण की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। मंदिरों, गुरुद्वारों, मस्जिदों और चर्चों सहित सभी धार्मिक संस्थानों में प्राप्त दान और चढ़ावे का नियमित ऑडिट, डिजिटल रिकॉर्डिंग और सार्वजनिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार की संभावनाएं कम होंगी। राजनीतिक दलों को भी इस मामले को केवल राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने से बचना चाहिए। आस्था से जुड़े मुद्दों का राजनीतिकरण समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा कर सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और यदि आरोप निराधार सिद्ध हों तो संबंधित संस्थाओं की प्रतिष्ठा भी बहाल की जाए। अयोध्या राम मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आस्था का प्रतीक है। इसलिए चढ़ावे की चोरी से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई न केवल कानून का प्रश्न है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा का भी दायित्व है। एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट से सच सामने आएगा, और यही अपेक्षा की जानी चाहिए कि सत्य तथा पारदर्शिता की जीत हो। वहीं एसआईटी ने मंगलवार को अपनी 20 पन्नों की शुरुआती जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी, जिसमें 150 लोगों से पूछताछ का विवरण है। रिपोर्ट में एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दुबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। साथ ही, किसी वरिष्ठ अधिकारी को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का सुझाव भी दिया गया है।

भारत में प्रेम...

ज्ञान चंद पाटनी

प्रेम संबंध बन रहे अपराध की बड़ी वजह

देश में बढ़ते अपराधों की एक प्रमुख वजह प्रेम संबंध, लिव-इन रिलेशनशिप और विवाहेतर संबंध भी हैं। सरकारी आंकड़े और पुणे के लोहागढ़ किले में सामने आई हालिया घटना इसका प्रमाण मानी जा सकती है। इस मामले में एक युवती पर अपने मंगेतर की हत्या का आरोप लगा। इसको पहले दुर्घटना बताने की कोशिश की गई, बाद में पुलिस ने पूरा मामला खोला। यह घटना केवल एक व्यक्ति की मौत की कहानी नहीं है, बल्कि उस गहरे संकट की ओर संकेत करती है जिसमें स्त्री पुरुष संबंध, भावनात्मक अस्थिरता और अपराध एक-दूसरे में जुड़े हुए नजर आ रहे हैं।

पिछले कुछ दशकों में भारतीय समाज में संबंधों को लेकर सोच व्यापक रूप से बदली है। पहले शादी—विवाह जैसे संबंध परिवार और समाज की कठोर सीमाओं में होते थे। यौन संबंधों में मर्यादा को महत्व दिया जाता था, लेकिन अब अराजकता की स्थिति है। युवा वर्ग में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। अब ऐसा वर्ग भी बन चुका है जो यौन संबंध बनाने के लिए शादी को जरूरी नहीं मानता। गर्ल फ्रेंड—बॉयफ्रेंड बनाने का चलन सामान्य हो चुका है। यह फ्रेंडशिप कब सीमा लांघ जाए और कब टूट जाए पता ही नहीं चलता। इस तरह ब्रेक अप और एक्स फ्रेंड—एक्स बॉयफ्रेंड जैसे शब्द भी सामान्य हो गए हैं। ब्रेक अप, एक ही समय में कई संबंध, छुपा हुआ प्रेम, झूठ बोलकर शादी या सगाई जैसे मामले मानसिक विकृति और अपराध के कारण बनते हैं।

पुणे के लोहागढ़ किले की घटना केवल एक सनसनीखेज खबर नहीं है। यह बताती है कि रिश्ते में यदि ईमानदारी न हो, तो वह रिश्ता जानलेवा साबित हो सकता है। कब क्या हो जाए, कहा नहीं जा सकता। अपने मंगेतर को ट्रैकिंग के बहाने पहाड़ पर ले जाकर खाई में धकेल देना दिखाता है कि अपराध केवल आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि उसमें योजना, छल और झूठ भी शामिल था। युवती ने पहले इसे दुर्घटना बताने की कोशिश की, जिससे यह भी स्पष्ट होता है कि अपराध के बाद उसे छिपाने की मानसिकता भी मौजूद थी। जब कोई व्यक्ति किसी के साथ सगाई या विवाह के लिए तैयार हो और किसी दूसरे के साथ संबंध रखे, तो वह छल का सहारा लेता है। यह छल गंभीर अपराध में भी बदल जाता है।

भारत में प्रेम संबंधों के कारण होने वाली हत्याओं का ग्राफ देखकर सहज ही समस्या की गंभीरता का पता लग जाता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार प्रेम संबंधों के कारण देशभर में वर्ष 2020 में 1,443, वर्ष 2021 में 1,566, वर्ष 2022 में 1,401, वर्ष 2023 में 1,441 और वर्ष 2024 में 1,391 हत्याएं हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ मामलों में तो महिला और उसके प्रेमी ने पति को रास्ते से हटाने के लिए सुपारी गैंग को काम पर रखा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ऐसे कई मामले सामने आए जिनमें प्रेमी के साथ अपने रिश्ते को बनाए रखने के लिए 'धोखा देने वाले' जीवनसाथी ने ही अपने साथी की हत्या कर दी।

जरा हटके

इस प्रकार के ...

ओ.पी. पाल

प्रशासनिक शुचिता पर सवालः क्या सचमुच बदला गया यूपी लोक सेवा आयोग का ढांचा?

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका की शुचिता और प्रशासनिक पारदर्शिता उसके सबसे मजबूत स्तंभ होते हैं। लोकतंत्र के स्तंभ तब सबसे ज्यादा डगमगाते हैं, जब जनसेवा और कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने वाली संस्थाओं पर ही भ्रष्टाचार और विधिक उल्लंघन के गंभीर आरोप लगते हैं। पिछले दिनो ही उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव के खिलाफ प्रयागराज में दी गई एक ताजा विधिक शिकायत ने एक बार फिर प्रशासनिक नियुक्तियों, शक्तियों के हस्तांतरण और चुनावी आचार संहिता के अनुपालन पर गंभीर बहस छेड़ दी है और इस एक शिकायत ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। एक अधिवक्ता द्वारा दी गई इस तहरीर ने न केवल चयन प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं, बल्कि 'संस्थागत भ्रष्टाचार' की ओर भी इशारा किया है। वहीं दूसरी ओर इस पूरे मामले के विधिक और प्रशासनिक पहलुओं को भी सामने लाकर खड़ा करने का दावा किया गया है।

दरअसल,इस मामले की शुरुआत साल 2011 से जुड़ी है। शिकायत के अनुसार, 11 जनवरी 2011 को तत्कालीन प्रमुख सचिव (संसदीय कार्य एवं विधानसभा) द्वारा एक अधिसूचना जारी की गई थी। आरोप है कि इस अधिसूचना के जरिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) जैसी संवैधानिक संस्था के अधिकारों को छीनकर विधानसभा की एक आंतरिक 'चयन समिति' को सौंप दिया गया। यद्यपि इस प्रक्रिया में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 187(3) का हवाला दिया गया था, लेकिन आरोप है कि इसके वास्तविक संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी की गई। यह शक्तियों का विकेंद्रीकरण नहीं, बल्कि कथित तौर पर एक ऐसा ढांचा तैयार करना था जिसके जरिए नियुक्तियों पर मनमाना नियंत्रण पाया जा सके। इसके बाद हुई समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) की भर्तियां लगातार विवादों के घेरे में रहीं, यहाँ तक कि उच्च न्यायालय को इसमें सीबीआई जांच तक के आदेश देने पड़े। इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू दिसंबर 2011 से मार्च 2012 के बीच का है। उत्तर प्रदेश में उस वक्त विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू थी। नियमतः इस अवधि में किसी भी प्रकार की नई नियुक्ति या स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध होता है। परंतु, शिकायत में लगाए गए आरोपों के मुताबिक जनवरी 2012 में बिना किसी पूर्व रिक्ति के और बिना लोक सेवा आयोग के परामर्श के विज्ञापन जारी किया गया। 6 मार्च 2012 को, जब मतगणना चल रही थी, प्रदीप कुमार दुबे को विधानसभा का प्रमुख सचिव नियुक्त कर दिया गया। सबसे गंभीर विसंगति यह सामने आती है कि तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष सुखदेव राजभर उस दिन लखनऊ में नहीं, बल्कि आजमगढ़ के दीदारगंज क्षेत्र में अपनी मतगणना में व्यस्त थे। ऐसे में उनकी भौतिक अनुपस्थिति के बावजूद उनकी 'उपस्थिति और संस्तुति' दिखाना सीधे तौर पर दस्तावेजों की कूटरचना की ओर संकेत करता है?

इस प्रकार के मामलों में यदि प्रशासनिक परंपराओं, नियमों और आरोपित पक्ष के संभावित विधिक बचाव को देखा जाए, तो भारतीय संविधान का अनुच्छेद 187(3) विधानसभा सचिवालय को एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय का दर्जा देता है। इसके तहत विधानसभा अध्यक्ष और राज्यपाल के परामर्श से सचिवालय अपने भर्ती नियम बनाने या उनमें संशोधन करने के लिए अधिकृत होता है। पूर्व में भी कई राज्यों के सचिवालयों ने अपने यहाँ सीधी भर्ती के लिए स्वयं की चयन समितियां बनाई हैं, जिसे विधिक रूप से जायज ठहराया जाता रहा है। वैसे भी विधानसभा सचिवालय के भीतर नियुक्तियों और निर्णयों पर विधानसभा अध्यक्ष का सर्वोच्च नियंत्रण होता है। ऐसे मामलों में अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि अध्यक्ष द्वारा ली गई संस्तुतियां या उनके निर्देश विशेषाधिकार के दायरे में आते हैं, जिन्हें सामान्य प्रशासनिक आचार संहिता के चश्मे से पूरी तरह नहीं देखा जा सकता। वहीं आवश्यक प्रशासनिक पदों (जैसे प्रमुख सचिव) को खाली न रखने या संक्रमण काल (चुनाव के दौरान) में व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने के लिए राज्यपाल या सक्षम प्राधिकारी की विशेष अनुमति से नियुक्तियां या कार्यभार सौंपे जाने के विधिक प्रावधान और अपवाद मौजूद होते हैं। जब किसी राज्य में युवाओं के रोजगार से जुड़ी संस्थाएं विवादों में घिरती हैं, तो इसका सीधा असर प्रदेश के लाखों बेरोजगारों के मनोबल पर पड़ता है। प्रतियोगिता परीक्षाओं की दिन-रात तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों का भरोसा व्यवस्था से उठने लगता है। यदि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की जगह 'अपराधिक साठगांठ' और 'फर्जी दस्तावेजों' का सहारा लिया गया है, तो यह केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ किया गया एक गंभीर खिलवाड़ है?

लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था (विधानसभा) की साख और लाखों युवाओं के भरोसे से जुड़े इस पूरे मामले की एक उच्च स्तरीय, स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना अनिवार्य है। कानून का यह सर्वमान्य सिद्धांत है कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। चूंकि यह मामला सीधे तौर पर लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था (विधानसभा) की साख और लाखों युवाओं के भरोसे से जुड़ा है, इसलिए इस पूरे मामले की एक उच्च स्तरीय, स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना अनिवार्य है। वैसे भी कानून का शासन यही कहता है कि आरोप चाहे कितने भी ऊंचे पद पर बैठे व्यक्ति पर क्यों न हों, उनकी निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए। यदि उत्तर प्रदेश में पारदर्शिता और विधि का शासन बनाए रखना है, तो इस मामले की तह तक जाकर सच को सामने लाना होगा, ताकि राज्य के युवाओं को यह भरोसा मिल सके कि उनकी योग्यता की कद्र है, किसी कूटरचना की नहीं?

ताजिया नापा तो एएसपी अनुज चौधरी पर भड़के मौलाना, जुलूस में करंट से 2 की मौत

यूपी में मुहर्रम पर अंगारों पर चले लोग

अलर्ट

- शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष बोले- कर्बला में 1387 साल पहले जो जंग हुई, आज भी याद
- झांसी में चिलचिलाती धूप और तपती जमीन पर जुलूस के लिए सड़कों पर पानी डाला

लखनऊ में मुहर्रम के जुलूस में ड्राई फ्रूट्स से बना हुआ अलम लेकर अकीदतमंद चल रहा हैं। इसे 31 किलो नारियल, 11 किलो मखाना, 11 किलो काजू, 7 किलो बादाम, 5 किलो अखरोट और 11 किलो छूहारे से सजाया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/संभल/एटा। यूपी में आज (शुक्रवार) मुहर्रम के जुलूस को देखते हुए पुलिस अलर्ट मोड पर है। ड्रोन कैमरों से पूरे रूट की मॉनिटरिंग की जा रही है। श्रावस्ती में कर्बला के शहीदों की याद में अजादार दहकते अंगारों पर चले। 'या हुसैन' की सदाओं से माहौल गमगीन हो गया। एटा में शुक्रवार तड़के ताजिया हाईटेंशन तार से टच हो गया। इसके बाद ताजिए में करंट उतर गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। 7 गंभीर रूप से झुलस गए। प्रयागराज में भी करंट से एक 17 साल के लड़के की मौत हो गई। संभल SP केके बिश्वनोई ने फोर्स के साथ फ्लैग मार्च किया। इधर, फिरोजाबाद ASP अनुज चौधरी के फीते से ताजिया नापने पर आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास भड़क गए। उन्होंने कहा- ताजियों की इस प्रकार नाप-जोख किए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। ताजियों का अपमान है। यूपी सरकार से मांग करता हूं कि अनुज चौधरी को तत्काल सस्पेंड किया जाए। लखनऊ में 2 लाख से अधिक लोग ताजिए के जुलूस में शामिल हो सकते हैं। जुलूस इमामबाड़े से निकल कर कर्बला तालकटोरा जाएगा। जुलूस में शामिल सभी लोग काले कपड़े पहनेंगे और नंगे पांव मातम करेंगे। बता दें कि आज ही के दिन कर्बला में पैगंबर मोहम्मद साहब के छोटे नवासे हजरत इमाम हुसैन यजीदी फौज से जंग करते हुए 72 साथियों के साथ शहीद हो गए थे। लखनऊ में शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि कर्बला में 1387 साल पहले जो जंग हुई थी आज भी उसे याद कर रहे हैं। इमाम हुसैन को उनके छोटे बच्चों के साथ शहीद कर दिया गया था आज उसी का गम मना रहे हैं।

बरेली में चाकू, छूरी और जंजीरों से मातम किया

बरेली में इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए शुक्रवार को शिया मुस्लिमों ने मातम मनाया। चाकू छुरी का मातम करते हुए जुलूस निकाला गया। इसमें लहराते अलम परचम जहां कर्बला की जंग का एहसास कर रहे थे। किला जामा मस्जिद पर एकत्र अजादारों ने जंजीरों, छुरियों से मातम किया। जिस्म लहूलुहान था, जुबां पर या हुसैन की सदाएं गूंज रही थीं। जुलूस किला, जामा मस्जिद रोड, जखीरा, जसोली से किला इमामबाड़ा फतेह निशान पहुंचा, जहां अंजुमनों ने नौहख्वानी की।

संभल में डीएम अंकित खंडेलवाल और एसपी कृष्ण विश्नोई ने फ्लैग मार्च किया।

लखनऊ में महज 3 साल की सैयद अबिया भी जुलूस में मातम करती दिखीं। उनकी अकीदत और जज्बे ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। लखनऊ में भीषण गर्मी में जुलूस में निकलने वाले लोगों पर केवड़ा जल का छिड़काव किया जा रहा है।

जुलूस के दौरान करंट लगने से एक की मौत

प्रयागराज में मुहर्रम की नौवीं पर निकले जुलूस के दौरान शुक्रवार सुबह एक 17 साल के किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। जुलूस जैसे ही सेवई मंडी इलाके में पहुंचा, बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान एक बिजली के पोल में करंट उतर आया। करंट की चपेट में आने से किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। मृतक की पहचान बहादुरगंज निवासी मोहम्मद हमजा पुत्र काशिम के रूप में हुई। वह मुहर्रम की नौवीं पर कोतवाली से उठे मासूम अली असगर के झूले में शामिल था। जुलूस में बड़ी संख्या में जायरीन मौजूद थे। लोगों ने तुरंत हमजा को इलाज के लिए पहले कॉल्विन अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

फास्ट न्यूज़

एसडीए में तैनात ज्ञानेंद्र वर्मा का 6 साल बाद ट्रांसफर

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा का ट्रांसफर कर दिया गया है। शासन ने उन्हें कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में नई जिम्मेदारी सौंपी है। ज्ञानेंद्र वर्मा पिछले करीब छह सालों से एलडीए में तैनात थे और प्राधिकरण की कई अहम शाखाओं व संपत्तियों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

लखनऊ में बिजली कटौती से गुस्साए लोगों का हंगामा

लखनऊ। लखनऊ में भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से लोग परेशान हो गए। गुस्साए लोगों ने गुरुवार-शुक्रवार की देर रात अपट्रॉन पावर हाउस का घेराव कर दिया। रात करीब एक बजे दो दर्जन से अधिक लोग हाथों में बांस के डंडे लेकर प्रदर्शन करने लगे। भीड़ को देखकर उपकेंद्र ऑपरेटर ने खुद को अंदर बंद कर लिया। इसके बाद लोगों ने उपकेंद्र के बाहर रास्ता रोककर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले सात दिनों में पांच दिन इलाके में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही है।

लखनऊ में तेज धूप के साथ बादलों की आवाजाही

लखनऊ । लखनऊ में भीषण गर्मी का दौर जारी है। मानसून पहुंचने में देरी होने के चलते लोगों को तपन और उमस झेलनी पड़ रही है। आज, शुक्रवार दोपहर से शुरू हुई बादलों की आवाजाही से भी कोई राहत नहीं मिल रही है। सुबह से आसमान साफ रहा और तेज धूप निकलने से उमसभरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी।

व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस प्रमाणन जारी : दयाशंकर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में संचालित 35 क्रियाशील स्वचालित परीक्षण स्टेशनों के माध्यम से 19 जून, 2026 तक कुल 2,80,779 व्यवसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) का मुख्य उद्देश्य वाहन फिटनेस जांच प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम करते हुए मशीनों एवं सेंसर आधारित परीक्षण प्रणाली के माध्यम से पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। इससे वाहन मालिकों को आधुनिक तकनीक की सहायता से तेज़, सटीक एवं समयबद्ध फिटनेस प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। परिवहन राज्य मंत्री ने कहा कि एटीएस व्यवस्था सड़क सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। केवल तकनीकी रूप से फिट वाहनों को ही सड़क पर संचालन की अनुमति दिए जाने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी सहायता मिल रही है।

उन्होंने बताया कि सभी वाहनों का परीक्षण केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाता है, जिससे प्रत्येक वाहन की जांच समान मानकों पर सुनिश्चित होती है। सिंह ने कहा कि एटीएस प्रणाली में डिजिटल रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी निगरानी एवं ऑटोमेटेड रिपोर्टिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं के कारण लापरवाही, पक्षपात एवं भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी रोक लगी है ।

प्रयागराज में ऊर्जा एवं विकास कार्यों की समीक्षा, मंत्री श्री ए के शर्मा ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

'निर्बाध बिजली और समयबद्ध विकास कार्यों में समझौता नहीं'

- माघ मेले से पहले सभी प्रमुख परियोजनाएं हों पूर्ण
- विद्युत आपूर्ति से लेकर शहर के सौंदर्यीकरण तक हर कार्य तय समय पर करें पूरा, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई
- जनप्रतिनिधियों की मांगों को प्राथमिकता दें, जनता को किसी प्रकार की सुविधा न हो : ए के शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने आज प्रयागराज भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस सभागार में ऊर्जा विभाग, नगर विकास विभाग एवं विकास प्राधिकरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि बिजली से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत का तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर के शेष कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही मेला क्षेत्र के किनारे स्थापित स्ट्रीट लाइटों के संबंध में निर्देशित किया कि जहां उनकी आवश्यकता अभी भी बनी हुई है, वहां उन्हें हटाया न जाए, ताकि क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनी रहे। बैठक में मंत्री श्री ए.के.

- जनप्रतिनिधियों की मांग पर स्वीकृत अथवा निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेजी लाएं

नगर विकास एवं विकास प्राधिकरण की समीक्षा में मंत्री श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेजी लाकर उन्हें आगामी माघ मेले से पूर्व हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के कार्यों में भी गति लाने के निर्देश दिए।श्री शर्मा ने कहा कि महाकुंभ के पूर्व शहर के जिन प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण किया गया है, उनका पुनः निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं। वर्षाकाल को देखते हुए सभी नालों की समयबद्ध सफाई कर जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाई जाए।

शर्मा ने दोहराया कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनसुविधाओं और विकास कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक परियोजना गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

नशे की आदत पूरी दुनिया के लिए बना चैलेंज और समाज के लिए है अभिशाप - आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल

'युवा नशे से रहे दूर'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मद्य निषेध विभाग, उ०प्र० द्वारा चौधरी चरण सिंह सभागार सहकारिता भवन, लखनऊ में शुक्रवार को 'मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की नेशनल एक्शन प्लान फार ड्रग डिमांड रिडक्शन (NAPDDR) योजनांतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान (NMBA) के तहत मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जन जागरुकता हेतु मद्य निषेध प्रदर्शनी, संगोष्ठी सहित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रमुख सचिव समाज कल्याण श्री अनुराग यादव उपस्थित रहे। सर्वप्रथम आबकारी मंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा मद्य निषेध प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की बड़ी जिम्मेदारी

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना संकल्प

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आबकारी मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने 15 अगस्त, 2020 को नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य लोगों को खासतौर से युवाओं को नशे से दूर रखना था। माननीय प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसमें युवाओं की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला राष्ट्र है। हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि युवाओं को नशे की आदत से बचाए और उनकी असीम ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र के विकास में लगाए।

'मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय दिवस' पर राज्य स्तरीय मद्य निषेध कार्यक्रम आयोजित

आबकारी मंत्री ने किया राज्य स्तरीय मद्य निषेध कार्यक्रम का शुभारंभ, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर जताई गहरी चिंता

नशा मुक्ति प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को आबकारी मंत्री ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

कार्यक्रम का संचालन शशांक वर्मा द्वारा किया गया

प्रमुख सचिव श्री अनुराग यादव ने नशीले पदार्थों की बढ़ती प्रवृति पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि आज नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान की मुहिम को गति प्रदान करने की आवश्यकता है। केवल शासकीय प्रयासों से ही यह सम्भव नहीं होगा। इस कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। बलरामपुर चिकित्सालय के मानसिक रोग विशेषज्ञ डा0 पीके श्रीवास्तव ने विभिन्न मादक पदार्थों के दुरूपयोग के मनोसामाजिक कारणों पर व्यापक प्रकाश डालते हुए उससे बचने के तरीकों से अवगत कराया।

केजीएमयू की कैंटीन में कॉकरोचों का डेरा

केक और बन के ऊपर रेंगते दिखे कीड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) की शताब्दी फेज-1 स्थित दूसरी मंजिल की कैंटीन में स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कैंटीन में रखे केक, बन और क्रीम रोल पर कॉकरोच रेंगते दिखाई दिए। इसके बावजूद इन्हीं खाद्य पदार्थों की बिक्री जारी रही और मरीजों के तीमारदारों के साथ-साथ बड़ी संख्या में मेडिकल छात्र भी इन्हें खरीदते रहे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, केक के ट्रे में कई कॉकरोच मौजूद थे, जबकि बन और क्रीम रोल के ऊपर भी कॉकरोच चलते देखे गए। ऐसे हालात खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की ओर इशारा करते हैं। अस्पताल परिसर में इस तरह की लापरवाही मरीजों, उनके परिजनों और डॉक्टरों समेत स्वास्थ्यकर्मियों के लिए संक्रमण का जोखिम बढ़ा सकती है। खासतौर पर कमजोर इम्यूनिटी वाले मरीजों के लिए यह गंभीर चिंता का विषय है।

कैंटीन में बड़ी संख्या में मेडिकोज और अस्पताल कर्मचारी भी नाश्ता करते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अस्पताल परिसर में संचालित कैंटीनों की नियमित स्वच्छता जांच और खाद्य गुणवत्ता की निगरानी किस स्तर पर हो रही है।

KGMU प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि कैंटीन का एक वीडियो सामने आया है।

घटना : कर्मचारियों ने बुझाई, 1 घंटे बाद पहुंची दमकल, अमीनाबाद के सिंगार महल मार्केट में दुकान जली

वनस्टॉप सेंटर में लगी आग

सेंटर प्रभारी का कहना है कि गुरुवार शाम से बिजली बार-बार ट्रिप होने की शिकायत के बावजूद विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। आग लगने के बाद भी जेई समेत कई कर्मचारियों को फोन किए गए, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं की।

तमसा संकेत, एजेंसी

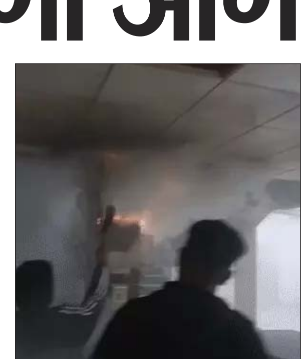

लखनऊ । लखनऊ के अलीगंज के भीषण अग्निकांड के बाद भी राजधानी में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार सुबह करीब डेढ़ घंटे के भीतर शहर के दो अलग-अलग इलाकों में आग लग गई।

पहला मामला कानपुर रोड स्थित लोकबंधु अस्पताल परिसर में संचालित आशा ज्योति (वन स्टॉप) सेंटर का रहा, जबकि दूसरा मामला अमीनाबाद के गड़बड़झाला स्थित सिंगार महल मार्केट की एक दुकान में सामने आया।

दोनों घटनाओं में समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, वन स्टॉप सेंटर की घटना के बाद बिजली विभाग और दमकल विभाग की लापरवाही सामने आई हैं। आशा ज्योति केंद्र की प्रभारी अर्चना सिंह ने बताया कि गुरुवार शाम से ही बिजली बार-बार ट्रिप हो रही थी। इसकी सूचना बिजली विभाग को दी गई थी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। शुक्रवार सुबह आग लगने के बाद जेई समेत विभागीय अधिकारियों को कई बार फोन कर विद्युत आपूर्ति बंद कराने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी ने भी फोन रिसीव नहीं किया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद दमकल की गाड़ी करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक लोकबंधु अस्पताल के कर्मचारियों की मदद से आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया था।

शुक्रवार सुबह 5:38 बजे फायर स्टेशन हजरतगंज कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि अमीनाबाद के गड़बड़झाला स्थित सिंगार महल मार्केट में दुकान संख्या-81 में आग लग गई है। दुकान सिद्दीकी खान की बताई गई है।

लोकबंधु अस्पताल परिसर स्थित आशा ज्योति केंद्र में लगी आग

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह 5:50 बजे फायर स्टेशन आलमबाग को सूचना मिली कि लोकबंधु अस्पताल परिसर में संचालित आशा ज्योति केंद्र में आग लग गई है। सूचना मिलते ही प्रभारी अग्निशमन अधिकारी धर्मपाल सिंह आलमबाग फायर स्टेशन से दो फायर टेंडर मौके के लिए रवाना किए गए। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि आग आशा ज्योति केंद्र के लाइट पैनल में लगी थी और लोकबंधु अस्पताल के अग्निशमन कर्मी पहले से ही आग बुझाने में जुटे हुए थे। फायर कर्मियों ने तत्काल हौज पाइप बिछाकर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग में लाइट पैनल और फॉल्स सीलिंग टूट हो गई, जबकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

मोबाइल झपटकर खाता साफ करने वाले पांच ठग गिरफ्तार

फोन छीन-चुराकर भाग जाते, कार-बाइक से घूमते थे, 14 मोबाइल मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब । लखनऊ की महिंगवां पुलिस और साइबर क्राइम सेल की संयुक्त टीम ने मोबाइल चोरी कर साइबर ठगी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में शुक्रवार को 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये पांचों सीतापुर के रहने वाले हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी भीड़भाड़ वाले बाजारों और सार्वजनिक स्थानों से मोबाइल चोरी या झपटमारी करते थे। इसके बाद वे चोरी हुए मोबाइल में लगे सिम का उपयोग कर बैंक खातों से जुड़े यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग को सक्रिय करते थे। फिर खातों से रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर नकदी निकाल लेते थे और आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने उनके पास से 11 एंड्रॉयड मोबाइल, 3 की-पैड मोबाइल (कुल 14 मोबाइल), 8,358 रुपए नकद, विभिन्न बैंक डेबिट कार्ड, आधार व पैन कार्ड, दो सिम कार्ड, एक स्विफ्ट डिजायर कार और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपियों ने लखनऊ के ही महिंगवां क्षेत्र में लगभग 3.91 लाख रुपए और बीकेटी क्षेत्र में करीब 4.28 लाख रुपए की साइबर ठगी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके आपराधिक नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ आरोपियों के खिलाफ पहले भी साइबर अपराध के मामले दर्ज हैं।

धमाके के बाद आग लगी, ड्राइवर की सिर्फ हड्डियां बचीं, 16 बाइकें और 2 कारें जलकर राख

एलपीजी टैंकर टोल से टकराया कौशांबी में ड्राइवर जिंदा जला

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक LPG टैंकर बेकाबू होकर टोल प्लाजा से टकरा गया। टक्कर के बाद तेज धमाका हुआ और टैंकर में आग लग गई। हादसे में टैंकर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। उसका शव पूरी तरह जल गया और कंकाल का कुछ हिस्सा ही बरामद हो सका। वहीं, पांच टोल कर्मचारी भी झुलस गए।

सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक टैंकर पूरी तरह जल चुका था। टोल प्लाजा के यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और दो कारें भी आग की चपेट में आकर जल गईं। आग बुझने के बाद जब टीम टैंकर के अंदर पहुंची तो चालक की हड्डियां मिलीं। इससे पहले सूचना मिली थी कि चालक टैंकर से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल हो गया है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग की ऊंची लपटों को देखकर टोल प्लाजा के दोनों ओर बसों और कारों की लंबी कतारें लग गईं। करीब 2 किलोमीटर दूर से धुएं का गुबार और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर कोखराज थाना क्षेत्र के सिहोरी टोल प्लाजा पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- टैंकर कानपुर से प्रतापगढ़ की ओर जा रहा था। घटना ओवरटेक के चक्कर में हुई। टैंकर की स्पीड लगभग 60-70 kmph के आसपास थी। इस दौरान टैंकर डिवाइडिंग लेन से टकराकर पलट गया। इस दौरान टैंकर ड्राइवर और कंडक्टर कूदकर मौके से फरार हो गए। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया- टोल कर्मियों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, टक्कर के बाद टैंकर से गैस का रिसाव होने लगा।

LPG टैंकर के टोल प्लाजा से टकराने के बाद तेज धमाका हुआ। आग की ऊंची लपटें उठीं।

टोल प्लाजा के यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और 2 कारें जलीं

टोल कर्मचारी संजय निर्मल ने बताया- हादसे से 10 मिनट हल्की-फुल्की बारिश हुई थी। पता नहीं अचानक क्या हुआ कि पूरी गाड़ी एकदम धड़ाम से गिर गई। उसके बाद गैस लीक होने लगी। अचानक आग भड़क गई। आग प्लाजा सटे यार्ड और टॉयलेट तक फैल गई। यार्ड में खड़ी 16 से ज्यादा बाइकें और 2 कारें जलकर राख हो गईं। यार्ड में टोल कर्मचारी अपनी गाड़ियां पार्क करते हैं। इस दौरान पास में बने टॉयलेट में बैठे सुपरवाइजर आलोक पांडे भी बुरी तरह झुलस गए हैं।

> एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया- कोखराज टोल प्लाजा के पास आग की सूचना मिलते ही तुरंत जिले की सभी फायर ब्रिगेड की गाड़ियों और सिविल पुलिस बल को मौके पर रवाना किया गया। सुरक्षा को देखते हुए ट्रैफिक रुकवाया गया। उसके बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। ट्रैफिक को अब धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है।

आग के बाद झुलसे टोल कर्मचारी आलोक पांडेय सड़क किनारे तड़पते दिखाई दिए।

'एसएससी मेकर' में डेढ़ फीट के छज्जे से आते-जाते स्टूडेंट्स

गोरखपुर में इंस्टीट्यूट बंद कर संचालक फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। लखनऊ के अग्निकांड के बाद गोरखपुर में कोचिंग सेंटरों की जांच शुरू होते ही हड़कंप मच गया है। पकड़े जाने के डर से शहर के ज्यादातर सेंटर संचालक क्लास बंद करके फरार हो गए हैं।

टीम जब गुरुवार को हरिओम नगर चौराहे पर स्थित 'SSC मेकर' कोचिंग सेंटर पहुंची तो वहां भी ताला लटका मिला। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि जब से प्रशासन ने चेकिंग शुरू की है, तब से यहां कोई क्लास नहीं चली है। साथ ही यह देखा गया कि वहां लगभग डेढ़ फीट चौड़े लोहे से बने छज्जे से स्टूडेंट्स आते- जाते हैं।

भले ही यह सेंटर बंद मिला, लेकिन जब बाहर से इसके फायर सेफ्टी मानकों की पड़ताल की गई, तो बड़ी लापरवाही सामने आई। इस इंस्टीट्यूट की क्लास ग्राउंड फ्लोर पर चलती है। वहां आने-जाने के लिए

बेसमेंट के ऊपर और मेन गेट के सामने लोहे का एक बेहद पतला डेढ़ फीट चौड़ा छज्जा बना हुआ है।

यह रास्ता इतना कमजोर और खतरनाक है कि आग जैसी कोई दुर्घटना होने पर सभी बच्चों का एक साथ बाहर निकल पाना नामुमकिन है। यहां सिर्फ रास्ता ब्लॉक होने का ही खतरा नहीं है, बल्कि उस कमजोर छज्जे के टूटकर गिरने का भी पूरा डर है। जिससे निकलने का कहीं से भी रास्ता बचेगा ही नहीं। ऐसी हालत में कब कोई कूदने का प्रयास करेगा तो सीधा बेसमेंट में जाकर गिरेगा। उसकी सीढ़ियों पर टकराने से तुरंत मौत भी हो सकती है।

फास्ट न्यूज

दालमंडी चौड़ीकरण मामले में सुनवाई पूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी ,दालमंडी चौड़ीकरण प्रकरण मे सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया है। याची अधिवक्ता ने कहा कि यदि किसी संपत्ति का अधिग्रहण किया जाता है तो उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार प्रभावित दुकानदारों को पहले मुआवजा, पुनर्वास, पुनर्स्थापन तथा वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है।

वाराणसी में 29 जून को भगवान जगन्नाथ का जलाभिषेक होगा

वाराणसी। काशी में रथयात्रा मेले से एक पखवारे पहले 29 जून को भगवान जगन्नाथ, उनकी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र भगवान श्रीगणेश स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर स्नान यात्रा के बाद तीनों विग्रह अस्वस्थ होकर परंपरा के अनुसार 15 दिनों के लिए अज्ञातवास में चले जाएंगे। इस दौरान 30 जून से 14 जुलाई तक भगवान को काढ़े का भोग लगाया जाएगा। इसे प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा। अस्सी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन स्नान यात्रा का विशेष आयोजन होता है।

भारतीय सेना की मेडिकल टीम वेनेजुएला रवाना

गाजियाबाद । वेनेजुएला में भूकंप के बाद राहत एवं बचाव कार्य के लिए आज भारतीय सेना की मेडिकल टीम यूपी के गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से रवाना हुई। इसे ऑपरेशन अमिस्ताद नाम दिया गया है। भूकंप के बाद वेनेजुएला के लिए रवाना हुई टीम में 41 सदस्य हैं। 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल की मेडिकल टीम आज शुक्रवार दोपहर हिंडन एयर फोर्स स्टेशन से रवाना हुई।

एसी बस में आग खिड़की दरवाजों से कूदे यात्री

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । यूपी के मेरठ में डबल डेकर एसी बस में शुक्रवार सुबह 7 बजे आग लग गई। यात्रियों ने खिड़कियों और दरवाजों से कूदकर जान बचाई। आग इतनी विकराल थी कि धुएं का गुबार 2 किमी दूर से दिखाई पड़ रहा था। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे।

दमकल की टीम बुलाई गई, लेकिन तब तक बस लगभग जल चुकी थी। हादसा दिल्ली-देहरादून हाईवे पर दौराला थाना क्षेत्र के दादरी फ्लाईओवर के पास हुआ। 26 यात्रियों से भरी बस जयपुर से हरिद्वार जा रही थी। यात्रियों को दूसरी बस से हरिद्वार भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक, बस में धुआं उठने के बारे में पीछे से आ रहे बाइक सवार ने ओवरटेक कर ड्राइवर को जानकारी दी। ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे लगाया। आनन-फानन में सभी यात्री बस से नीचे उतर गए। इसके बाद बस में आग लग गई। 20-25 मिनट में बस जलकर राख हो गई। जयपुर के सूर्य नगर कॉलोनी के रहने वाले बस ड्राइवर राजेंद्र कुमार ने बताया- मैं रात 10 बजे राजस्थान रोडवेज की डबल डेकर AC बस (RJ14PF 2607) लेकर हरिद्वार के लिए निकला था। मेरे साथ सीकर के रहने वाले परिचालक रामकुमार हुड्डा भी थे। सुबह करीब 7 बजकर 10 मिनट पर बस मेरठ-मुजफ्फरनगर के बार्डर के पास पहुंची थी।

2 किमी दूर से धुआं दिखा बाइक सवार ने बचाई 26 यात्रियों की जिंदगी

अलीगढ़ में 50 को बचाया ■ फिल्मी स्टाइल में कूदकर सीट पर बैठा

बस चलाते-चलाते ड्राइवर की मौत आर्मीमैन ने स्टेयरिंग संभाली

घटना

डॉक्टर बोले- ड्राइवर को कार्डियक अरेस्ट आया

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़ । अलीगढ़ में शुक्रवार सुबह रोडवेज बस चला रहे ड्राइवर की कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। ड्राइवर की तबीयत बिगड़ते ही बस बेकाबू होकर दूसरी लेन में जाने लगी, तभी बस में सवार एक पूर्व आर्मी मैन ने सूझबूझ दिखाते हुए स्टेयरिंग संभाल ली।

यात्रियों ने ड्राइवर को बस से उतारकर CPR देने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ड्राइवर को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मथुरा के गोवर्धन निवासी गणेश (45) पुत्र चेतराम के रूप में हुई है। घटना गोरई थाना क्षेत्र की है।

हादसे के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। यात्रियों ने तुरंत चालक गणेश को बस से नीचे उतारा। CPR देकर उन्हें बचाने की कोशिश की। इसी बीच सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें मंगलायतन अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद कार्डियक अरेस्ट से मौत की पुष्टि करते हुए उन्हें मृत घोषित कर दिया। इगलास के उपजिलाधिकारी परितोष मिश्रा ने बताया- चालक की मौत कार्डियक अरेस्ट आने से हुई है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

यात्रियों ने ड्राइवर को बस से उतारने के बाद काफी देर CPR दिया।

> पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद यात्रियों को दूसरी बस से उनके स्थान के लिए रवाना कर दिया गया।

13 सालों से संविदा पर ड्राइवर थे गणेश

गणेश पिछले 13 सालों से मथुरा डिपो में संविदा ड्राइवर के रूप में तैनात थे। उनके परिवार में पत्नी, 14 साल की बेटी नीलम और दो बेटे हैं। मथुरा डिपो के एआरएम मदन मोहन शर्मा ने बताया- शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे रोडवेज बस (यूपी-78 केटी-3189) करीब 50 यात्रियों को लेकर मथुरा से अलीगढ़ जा रही थी। जैसे ही बस गोरई थाना क्षेत्र के बेसवां स्थित फोंदानगला गांव के पास पहुंची, ड्राइवर गणेश की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जब तक कंडक्टर और यात्री कुछ समझ पाते, बस बेकाबू होकर दूसरी लेन की ओर जाने लगी। तभी बस में सवार एक पूर्व आर्मी मैन ने तुरंत स्टेयरिंग संभाल ली।

बस बेकाबू होकर बिजली के पोल से टकरा गई।

कानपुर पुलिस ने रेप का जुर्म जबरिया कबूल कराया, कोर्ट ने बरी करते हुए लगाई फटकार

अमीन को विक्की बताकर 5 साल तक जेल में रखा

> कोर्ट ने बिधनू थाने के तत्कालीन इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह और विवेचना में शामिल अन्य पुलिसवालों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए भी पुलिस कमिश्नर और डीएम को निर्देश दिया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । '25 मई 2021 की रात बिधनू थाने के तत्कालीन इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह के साथ कुछ पुलिसवाले घर आ गए। उन्होंने पूछा कि विक्की कौन है? मैंने उनसे कहा कि मेरा नाम अमीन लायल है, लेकिन वो नहीं माने और मुझे उठाकर थाने ले गए। वहां उन्होंने मुझे जमकर पीटा और कहा कि कबूल करों की तुम ही विक्की हो। पुलिसवालों ने मुझे इतना पीटा की मेरे कान का पर्दा तक फट गया। मुझे एक कान से आज तक सुनाई नहीं देता है। मेरे पिता थाने में मेरी बेगुनाही के सबूत देते रहे, लेकिन पुलिसवालों ने नहीं सुनी और 2 दिन थाने में बिठाने के बाद मुझे विक्की बताकर जेल भेज दिया, मुझे आज तक नहीं पता चला कि किस वजह से पुलिसवालों ने मुझे जेल में ठूंस दिया था। मैं विक्की नहीं हूं यह साबित करने में मेरे परिवार को पांच साल लग गए। पुलिसवालों ने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी।'

ये आपबीती बिधनू के अमीन लायल की है। अमीन लायल, बिना किसी जुर्म के ही एक 13 साल की किशोरी के रेप के मामले में 5 साल की जेल काट कर रिहा हुए हैं। कानपुर की स्पेशल पॉक्सो एक्ट कोर्ट ने युवक अमीन लायल को बरी कर दिया है। पीड़िता की मां के बयान के आधार पर उसे बाइज्जत बरी किया गया है। डूडा कॉलोनी स्वर्ण जयंती विहार की एक महिला ने थाने में तहरीर दी थी कि उसकी 13 वर्षीय बेटी सतबरी चौराहे पर रसोई गैस भरवाने गई थी।

कोर्ट बोला- विवेचक ने गलत जांच कर निर्दोष को अरेस्ट किया

गुरुवार को कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि विवेचक ने गंभीर लापरवाही और त्रुटिपूर्ण जांच करते हुए एक निर्दोष व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी। पीड़िता ने कोर्ट में अमीन लायल को पहचानने से इनकार करते हुए कहा कि उसने उसके साथ कोई घटना नहीं की।

पीड़िता के पिता ने कहा कि अपराध तो हुआ था, लेकिन यह व्यक्ति वह विक्की नहीं है। वहीं, पीड़िता की मां ने बताया कि बेटी ने विक्की द्वारा मारपीट करने और रुपए छीनने की बात कही थी। जिसने रुपए छीने थे, वह 35 से 40 वर्ष का शादीशुदा व्यक्ति था।

17.5 लाख की जमीन के लिए सास को मार डाला

फर्रुखाबाद में बहू ने तपती गर्मी में फेंका था खौलता पानी

तमसा संकेत, एजेंसी

कमालगंज, फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद के जलालपुर गांव में 17.5 लाख रुपए की 70 बिस्वा जमीन के लिए बहू ने सास को मार डाला। तपती गर्मी में उसने अपनी सास पर खौलता पानी फेंक दिया था। जलन से तड़पती बुजुर्ग महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां गुरुवार की देर रात करीब 12 बजे सास ने दम तोड़ दिया। बड़े बेटे की तहरीर पर जहानगंज थाने की पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी बहू को भी गिरफ्तार किया गया है। फर्रुखाबाद के जहानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जलालपुर गांव में बेंचेलाल ने बताया कि उनके छोटे भाई कैलाश की पत्नी रामादेवी खेत की जमीन अपने नाम कराने के लिए मां रामवती पर दबाव बना रही थी। चार साल पहले पिता की मृत्यु हो चुकी है। पिता की मृत्यु के बाद करीब साढ़े तीन बीघा कृषि भूमि मां रामवती के नाम विरासत में आई थी। मां कहना था कि मेरे मरने के बाद संपत्ति तुम ही लोगों की है, लेकिन रामादेवी अपनी जिद पर अड़ी रही। इसी बात को लेकर वह अक्सर मां के साथ मारपीट भी करती थी। 17 जून को शाम 5 बजे दोनों के बीच जमीन का बैनामा कराने को लेकर विवाद हुआ है। रामवती के इंकार करने पर बहू रामादेवी ने गुस्से में सास पर खौलता पानी डाल दिया। इस दुर्घटना में रामवती गंभीर रूप से झुलस गईं। परिजनों ने उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय, फर्रुखाबाद में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर उन्हें उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई रेफर किया गया। उपचार के दौरान गुरुवार की देर रात करीब 12 बजे उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद से पति तीनों बच्चों के साथ फरार है। मामले में पुलिस ने रामादेवी को 18 जून को घर से गिरफ्तार कर लिया है। जहानगंज थाना प्रभारी पूनम अवस्थी ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर आरोपी रामादेवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

रामवती, मृतक

पृष्ठ 01 का शेष...

'रामभक्तों की आस्था ...

सीएम योगी ने कहा-याद कीजिए कांग्रेस ने देश को लूटा ही नहीं था, नोंचा था। भगवान राम का नाम लेने पर गोली चलवाने वाले आज कहते हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ। अरे तुम हमें आस्था बताओगे?

उन्होंने दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल के अयोध्या दौरे पर भी तंज कसा। कहा- दिल्ली से भी एक सज्जन आए हैं। उनको बता दूं कि दिल्ली को 15 साल में कुछ नहीं दिया। दिल्ली को बर्बाद कर दिया। अयोध्या देखकर जाओ और जाकर पश्चाताप करो। अगर ऐसा दिल्ली में किया होता, तो दिल्ली भी चमक रही होती। इससे पहले, योगी ने 456.38 करोड़ की 106 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण भी किया

योगी ने कहा- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का टेंडर सपा सरकार ने 2016 में किया था। 110 मीटर चौड़ाई और 340 किमी लंबाई रखी थी। इन्होंने 15 हजार 8 सौ करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाया था। जब हमारी सरकार आई तो मैंने पूछा कि क्या प्रगति है, तो पता चला कि जमीन ही नहीं मिली है। हमने कहा कि जमीन नहीं तो टेंडर कैसे हो गया। मैंने कहा कि जमीन का अधिग्रहण करिए। हमने चौड़ाई बढ़ाकर 120 मीटर की। लगा कि कभी चौड़ाई बढ़ानी पड़ी या यहां हाईस्पीड ट्रेन चलानी पड़ेगी तो आसानी होगी।

राम मंदिर चढ़ावा ...

सूत्रों के मुताबिक, अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा।

चढ़ावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली FIR दर्ज कराई गई थी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं।

'सुरक्षा और विश्वास...

उन्होंने आगे कहा कि देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर में निवेश आ रहे हैं, उद्यम लग रहे हैं. हमारे नौजवानों को नौकरी मिल रही है, रोजगार मिल रहे हैं. युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ अपने क्षेत्र को दे रहा है.

हकलाने हेयरविग ...

दोनों फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और मामले की जांच जारी है।

लोहगढ़ किले में केतन की बॉडी निकालने में मदद करने वाले सुनील गायकवाड़ ने दावा किया कि घटना के बाद लोग घबराए हुए थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन सिया गोयल शांत थी। वह न रोईं और न ही कोई पछतावा दिखाया।

इससे पहले किले के गार्ड धीरज जाधव ने बताया कि उन्होंने चेतन और सिया की चीख सुनी थी। मौके पर पहुंचने पर सिया ने उन्हें बताया कि कोई खाई में गिर गया है। इसके बाद गार्ड ने पुलिस को सूचना दी।

वहीं महाराष्ट्र सरकार ने अग्रवाल परिवार की फास्ट-ट्रैक कोर्ट ट्रायल की मांग मान ली है, जिसमें जाने-माने वकील उज्ज्वल निकम स्पेशल प्रॉसिक्यूटर होंगे।

इस मामले में कोई भी दोषी है तो उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर मेरी बेटी दोषी है, तो उसे भी उसी जगह से नीचे फेंक देना चाहिए, जहां से केतन को धक्का दिया गया था।

परिवार को सिया और केतन की शादी से बहुत उम्मीदें थीं। केतन का परिवार भी सिया को बहुत प्यार और स्नेह देता था। सारे कार्यक्रम अच्छे से चल रहे थे।

अगर हमें लगता कि सिया को कोई परेशानी हो रही है या वह केतन से बात नहीं कर पा रही है, तो वे हमसे बात करते। सिया की इस शादी में रजामंदी थी। हमें चेतन के बारे में कुछ भी पता नहीं था। सगाई के बाद से वह सिर्फ केतन से ही बात करती थी। मुझे नहीं लगता कि वह (अपराध करने के लिए) राजी हुई होगी। अगर जांच में मेरी बेटी भी दोषी पाई जाती है तो उसे भी उसी जगह से नीचे फेंक देना चाहिए, जहां से केतन को धक्का दिया गया था।

9वीं की सोशल साइंस...

किताब के 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड' चैप्टर में इमरजेंसी को लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया गया है।

हालांकि, इसमें संविधान की चर्चा उसके निर्माण, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मौलिक अधिकारों के माध्यम से की गई है, लेकिन सॉवरेन (संप्रभुता), 'सोशलिस्ट' (समाजवादी), 'सेक्युलर' (पंथनिरपेक्ष/धर्मनिरपेक्ष), 'डेमोक्रेटिक' (लोकतांत्रिक) और 'रिपब्लिक' (गणराज्य) जैसे शब्दों के बारे में नहीं बताया गया है।

9वीं की किताब में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की भूमिका को भी विस्तार से बताया गया है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने छात्रों और आम लोगों को संगठित किया और बिहार, साथ ही गुजरात में बड़े जन आंदोलन खड़े हुए।

पुस्तक के मुताबिक, 1977 में इमरजेंसी खत्म होने के बाद आम चुनाव कराए गए। जनता ने मतदान के जरिए अपनी राय दी और सत्तारूढ़ सरकार चुनाव हार गई। किताब में इसे भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरण बताया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के ...

भारतीय सेना ने 6-7 मई रात PoK में आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इस दौरान 100 से ज्याद आतंकी मार गिराए थे। भारत पाकिस्तान के बीच 4 दिन हवाई युद्ध चला था। 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ था।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे।

इसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (DGMO) के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई थी। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह किए थे। प्राइवेट कंपनी मक्सर (Maxar) के सैटेलाइट ने इन तबाह एयरबेस की फोटोज जारी की थीं।

'जो 'राम' के ना हुए...

जाहिर तौर पर वह अपने खिलाफ तो कार्रवाई करेंगे नहीं, वह पूरी तरह से अपने को बचाने में लगे हुए हैं। ये जो फर्जी एसआईटी बनी और गुरुवार को जो फर्जी एफआईआर हुई, उस फर्जी एफआईआर में आठ छोटे-छोटे प्यादों को आरोपी शामिल किया गया। कोई बड़े नाम नहीं हैं। एक तरफ तो इतनी बड़ी महा डकैती हुई और दूसरी तरफ इसमें जितने बड़े-बड़े राक्षस शामिल हैं, उनको बचाने की कोशिश की जा रही है। यह एक तरह से सभी हिंदुओं के जले पर नमक छिड़कने वाली बात है। लोगों का कहना है कि उनकी आत्मा को तब तक शांति नहीं मिलेगी जब तक चोरी करने वाले इन बड़े-बड़े लोगों को सरेआम फांसी की सजा नहीं दी जाएगी।

अरविंद केजरीवाल ने कुछ उदाहरण देते हुए कहा कि सिंधी एसोसिएशन ने 26 जनवरी 2021 को 200 किलो चांदी दान में दी। उन्हें रसीद नहीं मिली और उन्होंने रसीद की जिद भी नहीं की। उन्हें पूरा यकीन था कि भगवान के यहां चंदा चढ़ा रहे हैं, इसमें रसीद की क्या जरूरत है। बहुत लोग जाते हैं भगवान के यहां चंदा चढ़ाते हैं, रसीद कौन मांगता है। 5 साल हो गए उन्होंने कभी रसीद की जिद नहीं की, लेकिन अब जब उन्होंने यह सारा मामला जाना तो उनकी भी रूह कांप गई। अब वे पूछ रहे हैं कि हमारी 200 किलो चांदी कहां गई? उनका विश्वास डगमगा गया। भगवान राम पर उनकी अटूट श्रद्धा है, लेकिन मंदिर को चलाने वाले और उनके ऊपर के आकाओं के ऊपर उनका विश्वास डगमगा गया है।

रामगढ़ में ट्रक...

यहां से उन्हें फिर बलसगरा जाना था और अपने कुछ अन्य साथियों को लेकर बिहार में एक कार्यक्रम शामिल होना था।

इसी दौरान, सामने से आ रहे तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक ने ओवरटेक करने के प्रयास में सवारी वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही 7 लोगों की मौत हो गई।

अब तक 177 गोल, कतर 2022 का रिकॉर्ड टूटा

एक फुटबॉल वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड बना

मैच

अमेरिका, एजेंसी

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में शुक्रवार को गोलों का नया रिकॉर्ड बन गया है। टूर्नामेंट में अब तक कुल 177 गोल हो चुके हैं, जो किसी भी फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे हैं।

इससे पहले सबसे ज्यादा 172 गोल का रिकॉर्ड कतर में खेले गए 2022 वर्ल्ड कप में बना था। मौजूदा संस्करण में यह रिकॉर्ड ग्रुप चरण के दौरान ही टूट गया। इस बार पहली बार 48 टीमें वर्ल्ड कप खेल रही हैं। टूर्नामेंट में शुक्रवार 26 जून को 6 मैच खेले गए।

तुर्की के आयहन खान ने दिन का आखिरी गोल दागा। उन्होंने अमेरिका के खिलाफ इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्कोर किया। इस मैच को तुर्की ने 3-2 से जीता।

निकोलस पेपे के डबल गोल से आइवरी कोस्ट ने ग्रुप-ई मैच में कुरासाओ को 2-0 से हराकर पहली बार नॉकआउट में जगह बना ली। अब आइवरी कोस्ट 30 जून को राउंड ऑफ-32 में ग्रुप आई की उपविजेता टीम (फ्रांस या नॉर्वे) से भिड़ेगा। फिलाडेल्फिया स्टेडियम में आइवरी कोस्ट ने 7वें मिनट में बढ़त बना ली। 19 साल यान डियोमांडे ने कुरासाओ के डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए गेंद निकोलस पेपे को पास की, जिन्होंने आसान गोल के साथ टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए। 77वें मिनट में पेड्रो वीटे के कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हेडर लगाया, जिसे गोलकीपर मैनुएल नोयर पकड़ने ही वाले थे कि गोंजालो प्लाटा ने पैर बढ़ाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस गोल ने इक्वाडोर को 2-1 की बढ़त दिलाई, जिसे उसने अंत तक कायम रखा।

इक्वाडोर ने जर्मनी को हराया

इक्वाडोर ने 4 बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को हराया

24वीं रैंक की टीम इक्वाडोर ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में शुक्रवार को 4 बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को 2-1 से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। इक्वाडोर 2006 के बाद पहली बार नॉकआउट में पहुंची है। ग्रुप-ई में तीसरे स्थान पर रहते हुए चार अंक हासिल करने वाला इक्वाडोर अब अगले राउंड में मैक्सिको से भिड़ सकता है। वहीं, पहले ही नॉकआउट में पहुंच चुकी जर्मनी की लगातार 11 मैचों की जीत का सिलसिला भी इस हार के साथ टूट गया है। मेटलाइफ स्टेडियम में इस मैच के दौरान 80,663 फैंस मौजूद रहे। फीफा के अनुसार इस वर्ल्ड कप के 56वें मैच तक कुल दर्शकों की संख्या 35,87,539 पहुंच गई, जो 1994 वर्ल्ड कप के पूरे टूर्नामेंट के रिकॉर्ड से अधिक है।

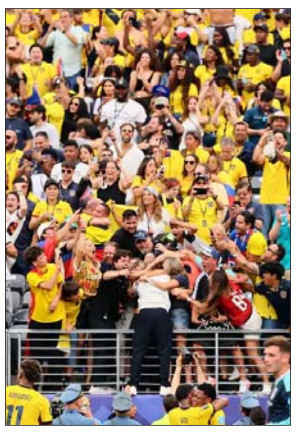

मेटलाइफ स्टेडियम में इस मैच के दौरान 80,663 फैंस मौजूद रहे।

शुरुआती बढ़त के बावजूद हारा जर्मनी

जर्मनी ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए दूसरे ही मिनट में लेरॉय साने के गोल से बढ़त बना ली। फ्लोरियन विट्र्ज के पास पर साने ने गोल दागा। हालांकि, इक्वाडोर ने 9वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली। मिडफील्ड में गेंद छीनने के बाद पेड्रो वीटे ने निल्सन अंगुलो को पास दिया, जिन्होंने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह टूर्नामेंट में इक्वाडोर का पहला गोल भी था।

श्रीलंका पहले टेस्ट की पहली पारी में 308 पर ऑलआउट

वेस्टइंडीज से जस्टिन ग्रेव्स ने 3 विकेट झटके

नई दिल्ली। श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 308 रन बनाए हैं। गुरुवार को मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज अपना खाता भी नहीं खोल सकी है। टीम के ओपनर्स नाबाद लौटे हैं।

तीसरे सेशन में कैरेबियाई पारी का पहला ओवर समाप्त होने के बाद अंपायर्स ने बेल्स उठा लिए। ओपनर जॉन कैंपबेल 6 बॉल खेलकर नाबाद रहे। जबकि ब्रैंडन किंग ने एक भी बॉल नहीं फेस की।

इससे पहले जॉयडन सील्स ने श्रीलंकाई टीम का आखिरी विकेट झटका। उन्होंने असिथा फर्नांडो को अल्जारी जोसेफ के हाथों कैच कराया। सील्स को श्रीलंकाई पारी में एक विकेट ही मिला।

टॉस हारकर बैटिंग कर रही श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 50 रन के अंदर 3 विकेट गंवा दिए थे। केमार रोच ने पहले ओवर की आखिरी बॉल पर पाथुम निसांका को 2 रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा दिया। उसके बाद 10वें ओवर में अल्जारी जोसेफ ने निशान मदुष्का (23 रन) और कामिंदु मेंडिस (जीरो) को लगातार बॉल पर आउट किया। निसांका के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरे दिनेश चांदीमल ने धनंजय डी सिल्वा के साथ पारी संभाली। दोनों ने 94 बॉल पर 68 रनों की साझेदारी की। वे चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें शमार जोसेफ ने बोल्ड कर दिया। चांदीमल 67 बॉल पर 54 रन बनाकर आउट हुए।

लैथम और कॉन्वे के शतक से न्यूजीलैंड तीसरे टेस्ट में मजबूत

पहले दिन न्यूजीलैंड के 361 रन, आखिरी सेशन में इंग्लैंड की वापसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड ने मजबूत शुरुआत की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 4 विकेट पर 361 रन बनाए। ओपनर डेवोन कॉन्वे (157) और कप्तान टॉम लैथम (151) ने पहले विकेट के लिए 317 रन जोड़कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने इसी साल माउंट माउंगानुई में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले विकेट के लिए 323 रन की साझेदारी भी की थी, जो उनकी सर्वश्रेष्ठ ओपनिंग साझेदारी है।

हालांकि, आखिरी सेशन में इंग्लैंड ने मैच में वापसी करते हुए 44 रन के भीतर 4 विकेट झटक दिए। स्टंप्स के समय क्रीज पर हेनरी निकोल्स और

नाइटवॉचर विल ओ'रूर्के मौजूद थे। लाथम का यह टेस्ट करियर का 17वां शतक है। इसके साथ ही उन्होंने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्टिन क्रो के टेस्ट शतकों की बराबरी कर ली। दूसरी ओर, कॉन्वे ने अपने टेस्ट करियर का आठवां शतक पूरा किया। न्यूजीलैंड की बड़ी साझेदारी के दौरान इंग्लैंड ने कई मौके गंवाए। पारी के शुरुआती ओवरों में ही जोफ्रा आर्चर की गेंद पर स्लिप कॉर्डन में बदलाव के तुरंत बाद टॉम लाथम का कैच उसी खाली जगह से निकल गया।

चोटों से परेशान न्यूजीलैंड को टॉस जीतने से मिली बड़ी राहत

मैच से ठीक पहले न्यूजीलैंड की टीम को दो बड़े झटके लगे थे। पिछले हफ्ते द ओवल टेस्ट में 11 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे तेज गेंदबाज मैट हेनरी (पैर की चोट) और पहली पारी में शतक लगाने वाले ग्लेन फिलिप्स (साइड स्ट्रेन) चोट के कारण मैच से बाहर हो गए। उनकी जगह मिचेल सैंटनर और बेन सियर्स को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। ऐसे में कप्तान टॉम लाथम का टॉस जीतकर पहले बैटिंग का सही फैसला किया, जिससे टीम को इस पिच पर बड़ा स्कोर बनाने का मौका मिल गया।

चरणी एक एडिशन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय, जेमिमा रनआउट होने से बचीं

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप में भारत का दूसरा बड़ा रनचेज

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 137 रन का टारगेट हासिल कर बांग्लादेश को 5 विकेट से हरा दिया। यह भारतीय टीम का विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे बड़ा रनचेज है। वहीं, श्री चरणी एक टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बन गई हैं। शेफाली को 53 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड हासिल करने वाली प्लेयर्स के क्लब में शामिल हो गई हैं। इस क्लब में स्मृति मंधाना और मिताली राज जैसे नाम हैं।

शेफाली ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई। उन्होंने

शेफाली वर्मा ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अपना तीसरा प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। वे विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड जीतने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। वे स्मृति मंधाना और मिताली राज के साथ दूसरे स्थान पर हैं। हरमनप्रीत कौर 4 अवॉर्ड्स के साथ पहले स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ मैनचेस्टर में सिर्फ 29 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पहले स्थान पर कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं। उन्होंने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ 27 गेंद पर फिफ्टी लगाई थी। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर बनाया। टीम ने इस मैच में पहले 6 ओवर के दौरान 1 विकेट के नुकसान पर 63 रन बनाए। इससे पहले इसी टूर्नामेंट में टीम ने नीदरलैंड्स के खिलाफ पहले 6 ओवर में बिना विकेट खोए 59 रन बनाए थे।

श्री चरणी ने पूनम यादव का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

श्री चरणी विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 2 विकेट चटकाए। वे इस वर्ल्ड कप में 12 विकेट ले चुकी हैं। उन्होंने पूर्व स्पिनर पूनम यादव का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। पूनम ने 2020 में 10 विकेट लिए थे। इसके साथ ही चरणी एक टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली दुनिया की संयुक्त रूप से चौथी महिला गेंदबाज हैं। न्यूजीलैंड की अमेलिया कर पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 2024 में 15 विकेट लिए थे।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया

भारत ने 137 रन का टारगेट चेज किया। यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज है। टीम ने 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ 150 रन का टारगेट हासिल किया था। जोकि टूर्नामेंट में भारत का सबसे बड़ा रनचेज था।

मनोरंजन

नेटफ्लिक्स पर मौजूद सच्ची बदले की कहानी देख खौल जाएगा खून

धुरंधर 2 को टक्कर देती है 16 एपिसोड की थ्रिलर सीरीज

नई दिल्ली। इसमें कोई दो-राय नहीं कि 'धुरंधर 2' 2025 और 2026 की सबसे सफल फ्रैंचाइजी बनकर उभरी है। फिल्म की कहानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और पाकिस्तान से भारत के बदले की इस कहानी ने दर्शकों को थ्रिल महसूस कराने के साथ ही उनके दिलों में भी जगह बना ली है।

अगर बदले की इस कहानी ने आपके रोंगटे खड़े कर दिए हैं और इस तरह की कहानियां आपको पसंद है तो नेटफ्लिक्स (Netflix) पर मौजूद एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर आपको जरूर पसंद आएगी। हालांकि यह किसी देश के बीच

बदले की कहानी नहीं है बल्कि एक आम स्कूल गर्ल की बदले की कहानी है।

यह सीरीज एक K-Drama है जो दो भागों में बनी है, इसका नाम है- 'द ग्लोरी' (The Glory)। नेटफ्लिक्स (Netflix) पर मौजूद किम यून-सुक द्वारा लिखी गई और आन गिल-हो द्वारा निर्देशित एक दक्षिण कोरियाई साइकोलॉजिकल थ्रिलर टेलीविजन सीरी है, जो बदले की कहानी पर आधारित है। इसकी मुख्य कास्ट में सॉन्ग हो-क्यो, ली डो-ह्यून, लिम जी-योन, येओम हो-रान, पार्क सुंग-हून और जंग सुंग-इल शामिल हैं।

क्या है इस थ्रिलिंग सीरीज की कहानी?

16 एपिसोड की यह सीरीज दो हिस्सों में बांटा गया है, इसका पहला हिस्सा 2022 में और दूसरा हिस्सा 2023 में रिलीज हुआ था। यह एक रोमांचक बदले की कहानी है जिसके कुछ सीन एक सच्ची घटना पर आधारित है। जिसमें स्कूल के कुछ स्टूडेंट्स का ग्रुप एक लड़की से लगभग 1 साल तक पैसे ऐंठे, उसे पीटा और कई चीजों से उनसे जलाकार गहरे घाव दिया। इतना सब हो जाने के बाद भी वह लड़की हार नहीं मानती बल्कि बदला लेने की ठान लेती है। वह प्लान बनाती है और उसी स्कूल की टीचर बन जाती है और फिर यही से शुरू होती है असली कहानी। वह तुरंत बदला लेने के बजाय वह एक-एक करके सबको सख्त से सख्त सजा देती है। हालांकि वह किस तरह उन सबसे बदला देती है? यह जानने के लिए आपको सीरीज देखनी होगी।

नुसरत फ़तेह अली खान ने 150 बार की थी दर्द भरे गाने की रिकॉर्डिंग

रुंध गया था सिंगर का गला, सुनते ही आ जाते हैं आंसू

नई दिल्ली। दिग्गज गायक उस्ताद नुसरत फतेह अली खान ने कई बेहतरीन गीत म्यूजिक इंडस्ट्री को दिए हैं। शहंशाह ए कव्वाली के नाम से मशहूर नुसरत अपने दर्द भरे गीतों के लिए भी फैंस की पहली पसंद है। एक ऐसा ही गाना उन्होंने 26 साल पहले गाया था जिसको रिकॉर्ड करते वक्त वे 150 बार इमोशनल हुए और उतनी बार वह रिकॉर्डिंग रोकनी पड़ी।

इस दर्द भरे गीत की एक लाइन इतनी इमोशनल थी कि उस पर नुसरत फतेह अली खान (Nusrat Fateh Ali Khan) 150 बार इमोशनल हुए और उतनी ही बार रिकॉर्डिंग को रोकना पड़ा। हालांकि इतनी बार रुकने के बावजूद उन्होंने उसे अपनी रुहानी आवाज में ही गाया। यह किस्सा है 2000 में रिलीज हुई हिट फिल्म धड़कन का जिसके बोल हैं- दूल्हे का सेहरा (Dulhe Ka Sehra)। इस गाने को

शिल्पा शेट्टी की विदाई के वक्त फिल्माया था और इसी वजह से यह गाना दुल्हन की विदाई के वक्त के लिए हर जगह बजाया जाने लगा। यहां आज 26 साल बाद भी यह टाइमलेस बना हुआ है। इस गाने के बोल लिरिसिस्ट समीर ने लिखे थे और उन्होंने इसका खुलासा करते हुए एक इंटरव्यू में बताया, 'इस गाने की एक लाइन नुसरत फतेह अली खान ने डेढ़ घंटे तक गाई, जैसे ही वह लाइन आती नुसरत साहब रोने लगते।

14 साल के बेटे की बात सुनकर शिल्पा शेट्टी बोलीं- लगा, अब सच में जिंदगी में कुछ हासिल किया है

'मॉम, क्या लगती हैं आप?'

नई दिल्ली। हर सफलता की कहानी सिर्फ तालियों और शोहरत से नहीं बनती। इसके पीछे ऐसे दौर भी होते हैं जब मौके छूटते हैं, फैसले गलत साबित होते हैं और फिर खुद को साबित करना पड़ता है। शिल्पा शेट्टी की कहानी भी ऐसी ही रही।

एक तस्वीर से मॉडलिंग की शुरुआत, पहली फिल्म बंद होने का झटका, करियर में ठहराव और फिर वापसी- उन्होंने हर मोड़ पर खुद को खड़ा किया। इसी सफर में बेटे की तारीफ ने उन्हें एहसास कराया कि असली सफलता सिर्फ नाम नहीं, बल्कि हर दौर में प्रासंगिक बने रहना है। शिल्पा शेट्टी की सफलता की कहानी सीधे 'बाजीगर' से शुरू नहीं हुई थी। कम लोग जानते हैं कि उनकी पहली फिल्म 'गाता रहे मेरा दिल' थी, जिसमें उनके साथ रोनित रॉय और रोहित रॉय थे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी और ट्रेड

मैगजीन में उनकी तस्वीर के साथ बॉलीवुड डेब्यू की घोषणा भी हो गई थी। लेकिन रिलीज से पहले ही फिल्म बंद हो गई। इसे यश चोपड़ा के असिस्टेंट रह चुके डायरेक्टर दिलीप नाइक ने डायरेक्ट किया था। नए कलाकार के लिए पहली फिल्म का बंद होना करियर खत्म होने जैसा हो सकता था, लेकिन शिल्पा के साथ उल्टा हुआ। उसी ट्रेड मैगजीन में छपी उनकी तस्वीर इंडस्ट्री के लोगों की नजर में आई और उन्हें 'बाजीगर' का ऑफर मिला। 'बाजीगर' की सक्सेस के बाद शिल्पा शेट्टी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुईं।

एक तस्वीर ने बदल दी शिल्पा की जिंदगी

8 जून 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में जन्मीं शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। उनका परिवार बाद में मुंबई आ गया, जहां उनकी पढ़ाई हुई। शुरुआती दिनों में उनकी जिंदगी फिल्मों और ग्लैमर से अलग थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह पिता के काम में हाथ बंटाती थीं और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह फिल्मों की दुनिया का जाना-पहचाना चेहरा बनेंगी।

इसी दौरान उन्हें एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। उनकी मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। शो में मौजूद एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं और बाद में उन्हीं के जरिए उन्हें मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे। धीरे-धीरे विज्ञापनों और फोटोशूट्स का सिलसिला शुरू हुआ और यहीं से मनोरंजन जगत में सफर शुरू हुआ। 16 साल की उम्र में शिल्पा ने 1991 में पहली बार लिम्का के लिए मॉडलिंग की।

फिल्म 'बाजीगर' से जुड़ा किस्सा शेयर करते हुए शिल्पा शेट्टी कहती हैं- लोग आज भी उस सीन की बात करते हैं जिसमें मैं गिरते हुए मुस्कुरा रही हूं। उस समय वीएफएक्स नहीं हुआ करता था। हमने वो सीन कई बार शूट किया था। आज भी ध्यान से देखें तो उसमें इस्तेमाल हुई स्ट्रिंग दिखाई देती है। लेकिन उससे सीखा कि फिल्में सिर्फ पैसों से नहीं बनतीं, उनमें आत्मा होनी चाहिए। 'बाजीगर' में वही बात थी।

प्रभास-अनुष्का ने 'बाहुबली 3' पर लगाई मुहर

नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में कर दिया खुलासा!

नई दिल्ली। 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' ने भारतीय सिनेमा को दुनियाभर में एक अलग पहचान दिलाने का काम किया था। वहीं बाहुबली 2 के आखिर में बाहुबली के सिंहासन पर बैठ जाने के बाद लोगों को लगा था कि कहानी खत्म हो गई है। लेकिन अब फिल्म के लीड कलाकारों ने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दे दी है, जिससे 'बाहुबली 3' के ऑफिशियल बनने की खबर पर लगभग मुहर लग चुकी है। 'बाहुबली 3' (Baahubali 3) को लेकर नई अटकलें तब शुरू हुईं जब डॉक्यूमेंट्री 'बाहुबलीः द टॉर्चबियरर' का एक वायरल क्लिप सामने आया।

इस क्लिप में प्रभास, राणा दग्गुबाती और अनुष्का शेट्टी इस फ्रैंचाइजी की एक और फिल्म की ओर इशारा करते हुए दिखे। वह कहती हैं, 'हो सकता है कि दुनिया अभी इसके लिए तैयार न हो, लेकिन बाहुबली जरूर आएगी...' इसके बाद प्रभास (Prabhas) तीन उंगलियां दिखाते हैं और मुस्कुराते हैं, जिससे अनुष्का समेत सोफे पर बैठे सभी लोग हंसने लगते हैं। यह पल फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर इसलिए क्योंकि क्लिप इन शब्दों के साथ खत्म होता है, 'और यह विरासत जारी रहेगी'।

इस क्लिप के वायरल होने के बाद फैंस के बीच खलबली मच गई। एक ने लिखा, 'बाहुबली 3 आधिकारिक तौर पर बन रही है! इंतजार आखिरकार खत्म होने वाला है।

ईरान बोला-इन्हें जवाबदेह ठहराया जाए, होर्मुज में जहाज पर हमला, पुल को नुकसान

'नाटो देशों ने जंग में अमेरिका का साथ दिया'

ईरान ने कहा कि 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे या अमेरिकी झंडा जलाने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सरकार ने सोशल मीडिया पर चल रही खबरों को गलत बताया।

आरोप

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हुए हमले में साथ देने वाले NATO मेंबर देशों को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने सोशल मीडिया पर कहा कि NATO चीफ मार्क रूट ने खुद माना है कि इटली और रोमानिया ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में अमेरिका का साथ दिया था। बघई ने कहा कि इन्हें अपने नागरिकों और पूरी दुनिया को बताना चाहिए कि उन्होंने अमेरिका और इजराइल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ इस कार्रवाई का समर्थन क्यों किया।

वहीं, होर्मुज स्ट्रेट में एक कॉमर्शियल जहाज पर किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल, यानी हमलावर हथियार से अटैक हुआ। ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस, यानी UKMTO ने इसकी जानकारी दी है।

ईरान ने खाड़ी देशों से मिडिल ईस्ट को परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने को कहा

ईरान ने खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) के देशों से मिडिल ईस्ट को परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की पहल का समर्थन करने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान को खतरे के रूप में पेश करने वाली नीतियों का साथ देने के बजाय इस पहल को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इजराइल के उन आरोपों को भी खारिज किया, जिनमें उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर सवाल उठाए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा तभी संभव है, जब क्षेत्रीय देश आपसी सहयोग बढ़ाएं और बाहरी दखल से बचें। साथ ही ईरान ने अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं को खतरे के रूप में पेश करने की कोशिशों की भी निंदा की।

आज वॉशिंगटन में इजराइल-लेबनान बातचीत फिर होगी

अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल और लेबनान के बीच चल रही बातचीत, जो स्थानीय समयानुसार बुधवार रात खत्म होने वाली थी, अब गुरुवार को वॉशिंगटन में फिर शुरू होगी। यह इस सप्ताह शुरू हुई पांचवें दौर की बातचीत है। इसमें अमेरिका समर्थित उस प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है, जिसका मकसद इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष खत्म करना है। साथ ही, इजराइली सेना अपने कब्जे वाले कुछ इलाकों को लेबनानी सेना को सौंपे।

ट्रम्प सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर, यानी करीब 8.322 लाख करोड़ की अतिरिक्त फंडिंग मांगी। यह रकम युद्ध खर्च, सेना की तैयारी और हथियारों के भंडार के लिए इस्तेमाल होगी।

ईरान में 4 जुलाई से शुरू होगा खामेनेई का अंतिम संस्कार

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह 4 जुलाई से शुरू होगा। अंतिम संस्कार समिति के प्रवक्ता ने कहा कि इससे जुड़ी तैयारियां कई बार पूरी कर ली गई थीं, लेकिन युद्ध की वजह से समारोह को बार-बार स्थगित करना पड़ा। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को इराक के पवित्र शहरों नजफ और करबला में भी श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किए जाएंगे। ईरान और पूरे शिया मुस्लिम समुदाय में खामेनेई का बड़ा धार्मिक और राजनीतिक प्रभाव माना जाता है। यही वजह है कि उनके अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

फास्ट न्यूज

चीन और बांग्लादेश तीस्ता नदी के प्रबंधन पर सहयोग बढ़ाने पर सहमत

बीजिंग। बांग्लादेश और चीन ने गुरुवार को तीस्ता और अन्य नदियों के प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह समझौता तब हुआ, जब चीन के जल संसाधन मंत्री ली गुओयिंग ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की, जो इस समय बीजिंग में हैं। चीन कई सालों से तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना को विकसित करने में दिलचस्पी दिखा रहा है।

दुनियाभर में घटी ट्रंप की लोकप्रियता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वैश्विक रेटिंग पर उनकी टैरिफ समेत तमाम नीतियों और ईरान युद्ध का गहरा असर पड़ा है। उनकी न केवल दुनियाभर में लोकप्रियता घटी है बल्कि विश्व मामलों के संभालने को लेकर उनकी नीतियों पर दुनिया का भरोसा कम हुआ है। प्यू रिसर्च सेंटर के एक ताजा सर्वे के अनुसार, दुनियाभर में ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग में भारी कमी आई है और 76 प्रतिशत लोगों ने उनके नेतृत्व पर भरोसा नहीं जताया है। मंगलवार को जारी सर्वे नतीजों के अनुसार, केवल 23 प्रतिशत प्रतिभागियों ने वैश्विक मामलों के समाधान में ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा जताया है।

ईरान युद्ध पर अपनी पार्टी में ही घिरे ट्रंप

वाशिंगटन। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के भीतर तीखे सवालों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को बंद कमरे में हुई बैठक में ट्रंप और रिपब्लिकन सीनेटर बिल कैसिडी के बीच ऊंची आवाज में बहस हुई। इसके कुछ घंटे बाद ट्रंप प्रशासन ने युद्ध के खर्च के लिए कांग्रेस से 70 अरब डालर की अतिरिक्त राशि मांगी।

कच्चा-तेल ईरान युद्ध से पहले वाले भाव 72 डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की जो कीमतें थीं, गुरुवार को वैश्विक बाजार में दाम उसी स्तर पर आ गए हैं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यह वही भाव (72.29 डॉलर) है, जो युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले 27 फरवरी को था।

17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के बाद स्विट्जरलैंड में हुई शांति वार्ता में अमेरिका ने ईरानी तेल के निर्यात पर आंशिक प्रतिबंध हटा लिए। इसके बाद होर्मुज रूट से गुजरने वाले जहाज की संख्या बढ़ने लगी है।

सोमवार के बाद से करीब 80 जहाज इस होर्मुज से गुजर चुके हैं। हालांकि यह संख्या युद्ध से पहले रोजाना 100 से ज्यादा जहाजों से कम है। हालांकि कच्चा तेल सस्ता होने के बावजूद पेट्रोल पंपों पर दाम दशहरे तक ही कम हो सकते हैं।

एनर्जी एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा के

एनर्जी एक्सपर्ट ने कहा- पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत दशहरे तक ही संभव

मुताबिक, पेट्रोल, डीजल जैसे प्रोडक्ट्स जो अभी हम खरीद रहे हैं, उन्हें तैयार करने के लिए जो कच्चा तेल इस्तेमाल हो रहा है, उसे तब खरीदा गया था जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी कीमत करीब 110 डॉलर प्रति बैरल थी। भारतीय रिफाइनरियों के लिए ये करीब 125 डॉलर प्रति बैरल थे।

इसमें करीब ढाई महीने लगेंगे। मौजूदा भाव का तेल स्रोत देशों के बंदरगाहों पर जहाजों में लोड होने में 15-20 दिन लगेंगे।

4300 से ज्यादा घायल, सरकार बोली- 39,000 लोग लापता, मलबे के नीचे से आवाजें आ रहीं

वेनेजुएला भूकंप में अब तक 235 की हुई मौत

काराकस, वेनेजुएला, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए, ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रही हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है।

भूकंप आने के बाद बिल्डिंग मलबे के ढेर में बदल गई।

वेनेजुएला में अभी भी भूकंप से तबाह हुई बिल्डिंगों के मलबे में सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। आपदा प्रभावित इलाके में अंतरराष्ट्रीय बचाव दल और मानवीय सहायता के पहुंचने के साथ ही आपातकाल की घोषणा कर दी गई है

भारत ने वेनेजुएला के लिए राहत सामग्री भेजी

भारत ने भूकंप प्रभावित वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि भारतीय वायुसेना के दो C-17 विमान भारतीय सेना की फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से ज्यादा राहत सामग्री लेकर वेनेजुएला के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस कठिन समय में वेनेजुएला के साथ खड़ा है और राहत एवं बचाव कार्यों में हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

तुर्किये बचाव दल और राहत सामग्री वेनेजुएला भेजेगा

तुर्किये की आपदा प्रबंधन एजेंसी AFAD ने कहा है कि वह वेनेजुएला में भूकंप प्रभावित लोगों की मदद के लिए दो सैन्य विमान भेजेगा। पहले A-400M विमान में 38 सदस्यीय खोज एवं बचाव दल, मानवीय सहायता कर्मी, पांच सदस्यीय मेडिकल रेस्क्यू टीम, तुर्की रेड क्रिसेंट के दो सदस्य, दो खोजी कुत्ते और तीन पूरी तरह सुसज्जित चाव वाहन भेजे जाएंगे। दूसरे A-400M विमान में 22 सदस्यीय मानवीय सहायता ब्रिगेड और उसका उपकरण होगा। AFAD के मुताबिक, दोनों विमान शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:15 बजे इस्तांबुल एयरपोर्ट से रवाना होंगे।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30% आशंका है।

इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने आपातकाल लगा दिया है।

इसके फीचर से रेपिस्ट बच्ची तक पहुंचा, भारत में इसके 25 करोड़ एक्टिव मंथली यूजर

अमेरिका में बच्ची से रेप केस में स्नैपचैट पर हुआ मुकदमा

मिसौरी, एजेंसी

सोशल मीडिया एप स्नैपचैट की मूल कंपनी स्नैप पर अमेरिका के मिसौरी में मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि प्लेटफॉर्म 12 साल की बच्ची के बलात्कार के लिए जिम्मेदार है। आरोप लगाया गया है कि स्नैपचैट के क्विक एड और स्नैप मैप जैसे फीचर्स के जरिए आरोपी गैब्रियल जोएल वैलेंटिन-रियोस ने जेफ नाम की लड़की को शिकार बनाया। एप की मदद से वह उससे जुड़ पाया और उसे बहला-फुसला सका। कथित रूप से स्नैपचैट के क्विक एड फीचर ने 25 साल के वैलेंटिन-रियोस को जेफ और उसी इलाके की अन्य नाबालिग लड़कियों से जुड़ने का सुझाव दिया। शिकायत के अनुसार, एप ने वैलेंटिन-रियोस को मिलनसार दिखने वाले लड़के के रूप में दर्शाया था। स्नैपचैट नाबालिगों को यह चेतावनी देने में विफल रहा कि ये यूजर्स अजनबी हो सकते हैं या उनसे जुड़ना खतरनाक हो सकता है। स्नैपचैट की 25 से अधिक देशों में 13 से 24 साल की आयु के 90% लोगों तक पहुंच है। भारत स्नैपचैट के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। याहू फाइनेंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्नैपचैट के 25 करोड़ से ज्यादा एक्टिव मंथली यूजर हैं। यह कंपनी के वैश्विक यूजर बेस का लगभग 36% है। देश में उसके यूजर की संख्या लगातार बढ़ रही है।

AI जनरेटेड

अदालत में कहा गया है कि स्नैप के अधिकारियों को डार्क वेब पर एक बुक मिली, जिसमें स्नैपचैट के फीचर का इस्तेमाल करके युवा यूजर्स को निशाना बनाने के तरीके बताए गए हैं। हीट इनिशिएटिव नामक संगठन के एक सर्वे के मुताबिक नाबालिग यूजर्स में से आधे ने पिछले साल स्नैपचैट पर 'असुरक्षित सामग्री या संदेश' देखे।

सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के खिलाफ हजारों मामले

मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम), टिकटॉक (बाइट-डांस), यूट्यूब (गूगल), और स्नैपचैट (स्नैप) सहित कई प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म गंभीर मुकदमों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य की अदालतों में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ लत से संबंधित दावों वाले 3,300 से अधिक मुकदमे लंबित हैं।

भारत में आईपैड-मैकबुक की कीमतें 1-लाख तक बढ़ीं

नई दिल्ली, एजेंसी

एपल ने गुरवार को अमेरिका में अपने आईपैड और मैकबुक की कीमतों में 300 डॉलर तक की बढ़ोतरी कर दी है। भारत में भी इनकी कीमतों में 1 लाख तक का इजाफा हुआ है। कंपनी का कहना है कि AI इंडस्ट्री के डेटा सेंटर बनाने के कारण मेमोरी और स्टोरेज चिप की लागत लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते अब ग्राहकों को इस बढ़ी हुई कीमत से बचाना संभव नहीं रह गया है। इस फैसले से एपल के सबसे ज्यादा बिकने वाले प्रोडक्ट आईफोन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी के सबसे कम कीमत वाले लैपटॉप 'नियो' की शुरुआती कीमत लॉन्च के कुछ महीने बाद ही 599 डॉलर से बढ़कर 699 डॉलर हो जाएगी। इसके अलावा 512 गीगाबाइट वाले मैकबुक एयर की कीमत 200 डॉलर बढ़ गई है, जबकि 1 टेराबाइट स्टोरेज वाले मैकबुक प्रो की कीमत में 300 डॉलर का इजाफा होगा। एपल ने अपने होमपॉड स्मार्ट स्पीकर के दोनों

एआई बूम के कारण चिप की लागत बढ़ने के चलते एपल ने यह फैसला किया

वर्जन और एपल टीवी सेट-टॉप बॉक्स की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। इस घोषणा के बाद एपल के शेयर करीब 5% गिर गए, जबकि उसकी कॉम्पिटिटर कंपनी डेल के शेयर 8% से ज्यादा टूट गए। माइक्रोन जैसी मेमोरी मैन्युफैक्चरर कंपनियों ने पिछले कुछ महीनों में एनवीडिया जैसे AI चिपमेकर्स के ऑर्डर्स को प्राथमिकता दी है। इस कदम से मेमोरी मैन्युफैक्चरर को रिकॉर्ड मुनाफा तो हुआ है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए इसकी सप्लाई बेहद कम बची है।

कारोबार : गिफ्टी निफ्टी में 150 अंकों की कमजोरी | 8% टूटा दक्षिण कोरिया का कोस्पी

सोमवार को गिरावट के साथ खुल सकता है भारतीय बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी

मुहर्रम की छुट्टी के कारण आज 26 जून को भारतीय शेयर बाजार बंद हैं। लेकिन वैश्विक बाजारों में मंदी के कारण सोमवार को ये गिरावट के साथ खुल सकता है। आज दक्षिण कोरिया का बाजार कोस्पी 8% नीचे हैं और गिफ्ट निफ्टी 150 अंकों से ज्यादा टूट गया है।

इससे पहले, गुरवार को भारतीय बाजारों में उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच मामूली बढ़त रही थी। सेंसेक्स 109 अंक (0.14%) की बढ़त के साथ 77,100 पर और निफ्टी 34 अंक (0.14%) बढ़कर 24,056 पर बंद हुआ। सेंसेक्स अपने डे हाई से 703 अंक टूट गया था। डाउ जोंस में भले ही 0.14% की बढ़त रही, लेकिन टेक-हैवी नैस्डैक कंपोजिट 0.46% गिरकर बंद हुआ। टेक कंपनी एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और अल्फाबेट जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर नीचे आ गए। सबसे ज्यादा नुकसान एपल को हुआ, जिसके शेयर 6% टूट गए।

कंपनी ने आईपैड और मैकबुक की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है, ताकि मेमोरी और स्टोरेज चिप की बढ़ती लागत की भरपाई की जा सके। इस गिरावट से एपल की मार्केट वैल्यू करीब 250 बिलियन डॉलर घट गई। अब इसका मार्केट कैप 4.04 लाख करोड़ डॉलर रह गया है। हालांकि, सेमीकंडक्टर सेक्टर से कुछ अच्छे संकेत भी मिले। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के तिमाही नतीजे अनुमान से बेहतर रहने के बाद उसका शेयर 16% चढ़ गया। इसके साथ ही सैनडिस्क में 22% की तेजी आई। क्वालकॉम, वेस्टर्न डिजिटल और सीगेट जैसी कंपनियां भी बढ़त रहीं।

एशियाई बाजारों में कोस्पी 8% टूटा, निक्केई में भी 5% की गिरावट

AI इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारी खर्च को लेकर बढ़ी चिंताओं के कारण ग्लोबल मार्केट्स में टेक शेयरों में बिकवाली आई है। दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी 8% तक टूट गया। इसके अलावा जापान का निक्केई इंडेक्स करीब 3% गिरा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग भी नीचे है।

25 जून को फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने भारतीय बाजारों से 384 करोड़ की नेट खरीदारी की। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने भी 5,748 करोड़ की नेट खरीदारी की है। इस साल के कुल आंकड़ों पर नजर डालें तो एफआईआई अब तक लगभग 3.46 लाख करोड़ के नेट सेलर्स रहे हैं, जबकि डीआईआई ने 4.57 लाख करोड़ की खरीदारी की है।

ओमान ने तेल टैंकरों के लिए खोला नया रूट

भड़के ईरान ने जहाज पर दागी मिसाइल

तेहरान, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ताओं और साठ दिनों के अंतरिम युद्धविराम के दौरान खाड़ी क्षेत्र में तनाव फिर से गहरा गया है। यह नया विवाद ओमान द्वारा तेल टैंकरों के लिए एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग की घोषणा के बाद शुरू हुआ। ईरान ने इस नए मार्ग को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की थी, लेकिन इसके बावजूद कई जहाज इस रास्ते से गुजरने लगे।

इसी बीच, गुरवार को इस नए रूट से गुजर रहे एक जहाज पर मिसाइल से हमला किए जाने की खबर सामने आई है। हालांकि, ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने पुष्टि की है कि इस हमले में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

ओमान ने संयुक्त राष्ट्र और

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के समर्थन से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए एक अस्थायी समुद्री कॉरिडोर उपलब्ध कराया है। इस नई व्यवस्था की सबसे खास बात यह है कि इसमें जहाजों से किसी भी प्रकार का ट्रांजिट शुल्क या टोल नहीं लिया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान लंबे समय से होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा देने के बदले शुल्क वसूलने की वकालत करता रहा था।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने ओमान के इस नए मार्ग को पूरी तरह अवैध करार दिया है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म० न० 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96